RNI. NO. RAJHIN/2021/82156
डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -125 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, गुरूवार 17 जुलाई, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

फिरौती मांगने वाले 4 बदमाश गिरफ्तार, बोलेरो भी जब्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर पुलिस ने एक बड़े अपहरण मामले को 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। विजय मंदिर थाना पुलिस ने फिरौती के लिए अगवा किए गए हंसराज निवासी बाला डहरा को बदमाशों के चंगुल से सकुशल छुड़ाया और 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर अपहरण में इस्तेमाल की गई बोलेरो गाड़ी भी जब्त कर ली है। पुलिस अधीक्षक संजीव नैन के निर्देश पर एसएचओ बृजेश तंवर के नेतृत्व में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सहायता से बदमाशों का पीछा किया। बूंदी जिले के तालेड़ा थाना पुलिस की मदद से यह सफल ऑपरेशन पूरा हुआ। अपहृत हंसराज को सकुशल अपहरण कर्ताओं के चंगुल से छुड़ा घटना में प्रयुक्त बोलोरो गाड़ी जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में मातौर, थाना खैरथल जिला खैरथल और मानी थाना करवर जिला बूंदी से दो-दो आरोपी शामिल हैं। चारों आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया गया है।

राममंदिर की सीढ़ियां तोड़े जाने पर भड़का जनआक्रोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

कस्बे के प्रतापगढ़ रोड स्थित बिहारीदास जी के ऐतिहासिक राममंदिर की सीढ़ियां और रैम्प जेसीबी से तोड़े जाने की घटना को लेकर मंगलवार देर शाम से उपजे जनाक्रोश ने बुधवार को बड़ा रूप ले लिया। शिव बगीची में आयोजित सर्व समाज की आमसभा में हजारों की संख्या में ग्रामीण, व्यापारी, साधु-संत, कस्बेवासी एकत्र हुए और मंदिर पर हुए तोड़फोड़ की घटना को धार्मिक आस्था पर सीधा प्रहार बताया। ग्रामीणों ने प्रशासन पर एकतरफा कार्रवाई करने, दोषियों को संरक्षण देने और जनभावनाओं की अनदेखी का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर दोषियों की गिरफ्तारी जल्द नहीं हुई और मंदिर की सीढ़ियों का पुनर्निर्माण नहीं हुआ, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। आमसभा के बाद हजारों रामभक्तों ने उपखंड कार्यालय कूच कर जिला कलेक्टर के नाम उपखंड अधिकारी पिंकी गुर्जर को ज्ञापन सौंपा। मौके पर मौजूद पुलिस उपाधीक्षक महावीर सिंह व तहसीलदार मोहित पंचोली से ग्रामीणों ने सीधे तौर पर सवाल किए कि आखिर किस आधार पर धार्मिक स्थल की तोड़फोड़ हुई।

नौगांवा क्षेत्र में चोरों का आतंक, तीन घरों से नकदी, जेवरात और बाइक चोरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नौगांवा

नौगांवा क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर और खैरथला में बीती दो रातों से चोरों ने तांडव मचा रखा है। चोरों ने तीन अलग-अलग घरों को निशाना बनाते हुए नकदी, जेवरात, मोबाइल और मोटरसाइकिलें चुरा लीं। पीड़ितों ने नौगांवा थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोहम्मदपुर गांव निवासी सोकत पुत्र इलियास ने बताया कि 15 जुलाई की रात जब पूरा परिवार घर में सो रहा था, तभी अज्ञात चोरों ने घर के कमरे में रखी संदूक की कुण्डी तोड़ दी और उसमें से 10 हजार रुपये की नकदी, एक मोबाइल फोन तथा बरामदे में खड़ी मोटरसाइकिल चुरा ले गए। चोरी की दूसरी घटना उसी रात गांव के माजिद पुत्र सुब्बा खान के घर पर हुई। चोरों ने उनके घर में घुसकर कमरे में रखी संदूक से 35 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और एक बैटरी चोरी कर ली। वहीं, इससे एक रात पहले 14 जुलाई को खैरथला गांव में भी चोरी की घटना सामने आई। ओमप्रकाश पुत्र लक्ष्मण सिंह ने थाने में रिपोर्ट दी कि उनके भाई प्रताप और पत्नी खेत में धान लगाने हिसार गए हुए थे, और घर पर केवल बच्चे ही मौजूद थे। रात में चोरों ने प्रताप के कमरे का ताला तोड़ा और संदूक से तीन सोने की मोहर, आधा किलो चांदी की पाजेब, एक चांदी का मंगलसूत्र और लगभग 2 हजार रुपये नकद चुरा लिए। साथ ही कमरे में खड़ी मोटरसाइकिल भी ले उड़े। लगातार हो रही इन वारदातों से क्षेत्र के ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोगों ने पुलिस से जल्द से जल्द चोरों को पकड़ने की मांग की है। पुलिस ने तीनों मामलों में जांच शुरू कर दी है।

एसडीएम ने महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूल का किया निरीक्षण, सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

लक्ष्मणगढ़ उपखंड अधिकारी मोहकम सिंह सिनसिनवार ने बुधवार को कस्बे के मुख्य बाजार स्थित महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कई जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने सबसे पहले विद्यालय स्टाफ की उपस्थिति की जांच की। इसके बाद कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से पढ़ाई की जानकारी ली और मिड-डे मील की गुणवत्ता के बारे में भी पूछा। भोजन की गुणवत्ता को लेकर उन्होंने प्रभारी अधिकारी को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। साथ ही मिड-डे मील को चार्ट अनुसार देने तथा पूर्ण साफ-सफाई के साथ तैयार कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में गंदगी और अव्यवस्थित सफाई व्यवस्था देखकर एसडीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विद्यालय परिसर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए अन्यथा विभागीय कार्रवाई के लिए संस्तुति की जाएगी। निरीक्षण के समय विद्यालय स्टाफ के मनोज शर्मा, हेमसिंह सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। एसडीएम ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि छात्रों की पढ़ाई और स्कूल की व्यवस्था में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

संविधान उत्सव कार्यक्रम का हुआ भव्य समापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

फाउंडेशन फॉर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट (दूसरा दशक) की ओर से चल रहे संवैधानिक मूल्य आधारित फैलोशिप कार्यक्रम के तहत मंगलवार को जाट छात्रावास में आयोजित संविधान उत्सव कार्यक्रम का समापन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में 15 गांवों से आए करीब 250 युवा मंच सदस्य, महिला मंच और लोक बिरादरी मंच के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गान से हुई, जिसके बाद फैलोशिप से जुड़े फैलोज़ ने अपने कार्यक्षेत्र में किए गए कार्यों और अनुभवों को साझा किया। मंचों से जुड़ी महिलाओं, युवाओं व स्थानीय लोगों ने भी कार्यक्रम के प्रभाव से अपने जीवन, परिवार और समुदाय में आए बदलाव की कहानियां सुनाईं। मुख्य अतिथि कफनवाडा उच्च माध्यमिक विद्यालय के उपप्रधानाचार्य प्रेम चंद रहे, जबकि अधिवक्ता अमित कटारा, फिरोज खान, इब्तिदा एनजीओ से आसमदीन खान व वरीशा खान, क्रिशिल फाउंडेशन से नवीन शर्मा, शिक्षक अशोक वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक ब्रजमोहन सैनी ने किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्राओं और किशोरी मंच की बालिकाओं ने संविधान आधारित गीत और नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को उल्लासपूर्ण बना दिया। फैलोशिप के तीन वर्षों की यात्रा के अनुभवों को साझा करते हुए आसीन खान, नौमान, निरमा बाई मीना, शबनम और नजमा खान ने जमीनी स्तर पर किए गए प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम में एफईडी (दूसरा दशक) के मेंटर कमलेश अवस्थी ने फैलोशिप की पृष्ठभूमि और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक के विभिन्न गांवों में संवैधानिक मूल्य आधारित कार्यों के जरिए सामाजिक बदलाव का वातावरण तैयार हुआ है। फैलोज अब असमानता और अधिकारों के मुद्दों पर खुलकर आवाज उठाने लगे हैं, जो इस पहल की सफलता को दर्शाता है। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रेम चंद ने संस्था द्वारा चलाए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह फैलोशिप गांवों में जनजागृति और सामाजिक समरसता लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लेखाकार सुनील कुमार सैनी, इखवेलो प्रभारी भूपेंद्र मीना और शुकंतला ने कार्यक्रम व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यक्रम का समापन संविधान के संकल्प के साथ किया गया।

पुलिस की बर्बरता से हुई अमित सैनी की मौत, नाबालिग से अमानवीयता पर भड़के नेता प्रतिपक्ष जूली

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर के बहुचर्चित अमित सैनी आत्महत्या मामले में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि पुलिस की अमानवीयता और बर्बरतापूर्ण व्यवहार ने अमित को आत्महत्या के लिए मजबूर किया। जूली ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यह घटना राज्य की बिगड़ी कानून व्यवस्था और प्रशासनिक असंवेदनशीलता का प्रमाण है। जूली ने कहा कि चोरी के आरोप में पकड़े गए अमित और एक नाबालिग को पुलिस ने थाने में हिरासत में लेकर निर्दयता की हदें पार कर दीं। पूछताछ के नाम पर गंभीर यातनाएं दी गईं और उन्हें जबरन अपराध कबूलने के लिए दबाव में रखा गया। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा नाबालिग को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करने के बजाय लॉकअप में बंद करना और उसे टॉर्चर करना पूरी तरह से अवैधानिक है। जूली ने आरोप लगाया कि पुलिस ने साजिशन नाबालिग की उम्र 19 वर्ष दर्ज कराई ताकि उस पर अत्याचार किया जा सके। नेता प्रतिपक्ष ने इस पूरे घटनाक्रम को "राज्य में पुलिस की निरंकुशता और सरकार की नाकामी" करार देते हुए कहा कि अब प्रदेश में बच्चों के साथ भी हैवानियत का व्यवहार हो रहा है। जूली ने कहा कि जिस व्यवस्था से जनता को सुरक्षा मिलनी चाहिए, वही व्यवस्था अब जनता के लिए खतरा बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों को खुलेआम धमकियां मिल रही हैं, तो आम नागरिक की सुरक्षा की कल्पना करना भी व्यर्थ है। अमित सैनी की आत्महत्या सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि यह पूरी व्यवस्था की नाकामी की गवाही है। जूली ने यह भी आरोप लगाया कि जब मृतक के परिजन पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे, तो पुलिसकर्मियों के नाम हटवाने के लिए उन पर दबाव डाला गया। यह साफ तौर पर पुलिस की मिलीभगत और दोषियों को बचाने का प्रयास है। टीकाराम जूली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस घृणित कृत्य और प्रशासनिक लापरवाही का पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि दोषियों को सजा दिलाने और पीड़ित परिवार को न्याय दिलवाने के लिए कांग्रेस लगातार संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच हो और दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई और बच्चा इस तरह की दरिंदगी का शिकार न हो।

सरकारी स्कूलों में किताबों की कमी, 16 दिन बाद भी छात्र खाली हाथ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजकीय विद्यालयों में नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए 16 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक अधिकांश छात्रों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकें नहीं मिली हैं। खासकर कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को किताबों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। जानकारी के अनुसार, कुछ स्कूलों में किताबें पहुंची भी हैं तो वो अधूरी हैं। उदाहरण के तौर पर, कक्षा पहली के छात्रों को केवल एक पुस्तक दी गई है, कक्षा दूसरी के छात्रों को तीन में से केवल एक पुस्तक मिली है, और कक्षा तीन व चार में भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है। कक्षा पांचवीं के बच्चों को भी अब तक केवल एक किताब ही उपलब्ध हो पाई है। कई विद्यालयों ने किताबें अधूरी होने के कारण वितरण ही नहीं किया। राजस्थान राज्य पाठ्यक्रम वितरण केंद्र, अलवर द्वारा पुराने जिले के अनुसार 2782 सरकारी स्कूलों में पुस्तकें वितरित की जा रही हैं। अब तक विभिन्न ब्लॉकों में बड़ी संख्या में किताबें भेजी जा चुकी हैं, जैसे – तिजारा ब्लॉक में 1,45,573, किशनगढ़बास में 91,235, राजगढ़ में 65,009, रामगढ़ में 95,857, बानसूर में 57,699, थानागाजी में 76,675 और अन्य ब्लॉकों में भी हजारों किताबों का वितरण हुआ है। फिर भी ग्राउंड पर स्थिति यह है कि वितरण की प्रक्रिया में गड़बड़ी, देरी या समन्वय की कमी के चलते अधिकांश स्कूलों में किताबें समय पर नहीं पहुंच पाईं। स्कूल प्रशासन भी बिना पूरी किताबों के सेट के वितरण करने से कतरा रहा है। पढ़ाई शुरू होने के दो सप्ताह बाद भी छात्रों के हाथ में किताबें न होना शिक्षा की गुणवत्ता और सरकारी योजनाओं की क्रियान्वयन क्षमता पर सवाल खड़े कर रहा है। अभिभावक भी इस स्थिति को लेकर नाराज हैं और उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द सभी कक्षाओं की किताबें उपलब्ध कराने की मांग की है।

ओडिशा की घटना को लेकर एबीवीपी का विरोध, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

बालेश्वर (ओडिशा) में एबीवीपी कार्यकर्ता सौम्याश्री बिशी की आत्महत्या को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने बुधवार को आरआर कॉलेज, अलवर में विरोध प्रदर्शन किया। परिषद ने इस घटना को गंभीर बताते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। जिला संयोजक अनुष्का चौधरी ने बताया कि सौम्याश्री ने कॉलेज के विभागाध्यक्ष द्वारा की गई मानसिक प्रताड़ना और उसके चरित्र पर की गई असंवेदनशील टिप्पणियों से आहत होकर आत्मदाह जैसा कदम उठाया। उन्होंने कहा कि यह न केवल एक संवेदनशील छात्रा की त्रासदी है, बल्कि शिक्षा संस्थानों में व्याप्त असंवेदनशीलता का भी उदाहरण है। एबीवीपी ने मांग की कि इस घटना के दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई हो तथा देशभर के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में इंटरनल कंप्लेंट कमेटी (द्धष्टष्ट) को अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाए, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। विरोध प्रदर्शन के दौरान परिषद के अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिनमें पवन गुर्जर, नारायण, मानसी यादव, मानसी प्रजापत, प्रिंस अत्री, शुभम शर्मा, विजय यादव, कुशल, मोहित, कनक, ताशवी, भूमिका, अर्चना, अलीशा, रिद्धी, ज्योति यादव, प्रिया, मनोज, दुष्यंत और मयंक शामिल रहे। परिषद ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

जिले की रैंकिंग सुधार के बावजूद ज़मीनी हालात जस के तस, फ्लैगशिप योजनाओं की हकीकत समीक्षा बैठकों तक सीमित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला द्वारा ली गई जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में भले ही फ्लैगशिप योजनाओं की रैंकिंग में सुधार की बात कही गई हो, लेकिन ज़मीनी स्तर पर इन योजनाओं की प्रभावशीलता को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। आंकड़ों की बाजीगरी से जिले की स्थिति "टॉप रैंकिंग" में भले दिख रही हो, लेकिन हकीकत यह है कि आमजन को योजनाओं का लाभ मिलना आज भी चुनौती बना हुआ है। बैठक में लाडो प्रोत्साहन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम स्वनिधि, स्वामित्व योजना, पीएम कुसुम योजना सहित अन्य योजनाओं की "समीक्षा" तो हुई, लेकिन ये समीक्षा किस हद तक वास्तविक है, इस पर कोई ठोस जमीनी डेटा नहीं प्रस्तुत किया गया। योजनाओं में सुधार का दावा करने वाले अधिकारी गांव-गांव घूमकर लोगों से फीडबैक लें तो उन्हें सच्चाई का अंदाजा खुद हो जाएगा। विशेषकर लाडो प्रोत्साहन योजना में रैंकिंग सुधार की बात कहकर अधिकारियों ने पीठ थपथपा ली, लेकिन इस योजना का लाभ कितनी बालिकाओं को वास्तव में मिला, इसकी कोई सार्वजनिक जानकारी नहीं दी गई। स्वच्छ भारत मिशन में 4वीं रैंक मिलने के बावजूद शहर और कस्बों की गंदगी, खुले में फैले कचरे के ढेर और अनुपयोगी सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। पीएम स्वनिधि योजना में स्ट्रीट वेंडर्स को लाभ देने की बात तो कही गई, लेकिन शहर में ऐसे सैकड़ों रेहड़ी-पटरी वाले हैं, जो आज भी पात्र होते हुए इस योजना से वंचित हैं। पीएम कुसुम योजना के तहत सौर ऊर्जा संयंत्रों की बात की गई, लेकिन किसान आज भी सब्सिडी और इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया के चक्कर में सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। बैठक में नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, यूआईटी व अन्य विभागों के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा भी की गई, लेकिन गुणवत्ता और समयबद्धता की बात वहीं खत्म हो जाती है, जब आमजन हर बरसात में सड़कें उखड़ती और पानी से भरी गलियों में परेशान होता है। नेहरू गार्डन के तर्ज पर पिंक टॉयलेट बनाने की बात कही गई, जबकि पहले से बने टॉयलेट की सफाई और उपयोगिता पर कोई चर्चा नहीं हुई। विभागीय समन्वय और मॉनिटरिंग की बात तो वर्षों से हो रही है, पर नतीजा सिर्फ रिपोर्टों और प्रेजेंटेशन तक सीमित रहता है। राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की बात करते हुए शिकायतों के एक सप्ताह में निस्तारण का दावा किया गया, लेकिन पोर्टल पर लंबित शिकायतें और उनके अधूरे समाधान आमजन की नाराजगी का कारण बने हुए हैं। अधिकारियों की समीक्षा बैठकों में आंकड़ों का खेल जारी है, लेकिन जनता आज भी योजनाओं के असल लाभ से वंचित है। ऐसे में सिर्फ रैंकिंग सुधार के दावों से काम नहीं चलेगा, जब तक हर पात्र व्यक्ति तक योजना का सीधा और पारदर्शी लाभ नहीं पहुंचता।

स्वच्छता के नाम पर जुर्माना वसूली में जुटा नगर निगम, खुद की लचर व्यवस्था पर चुप्पी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

नगर निगम अलवर द्वारा मंगलवार को शुरू किए गए तथाकथित "जन जागरूकता अभियान" ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि प्रशासन को शहर की असल समस्याओं से ज्यादा दिलचस्पी जुर्माना वसूलने में है। स्वच्छता के नाम पर सड़क पर कचरा फैलाने के आरोप में 84 प्रतिष्ठानों से 19 हजार 900 रुपए की पेनल्टी वसूल ली गई, लेकिन सवाल उठता है कि शहर की गंदगी का जिम्मेदार सिर्फ व्यापारी हैं या नगर निगम भी? नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका के अनुसार तीन टीमों ने शहरभर में निरीक्षण कर दुकानों पर डस्टबिन की व्यवस्था और कचरा प्रबंधन की जांच की। जिन दुकानों ने कचरा सही तरीके से निस्तारित नहीं किया, उन पर जुर्माना ठोक दिया गया। परंतु शहर के व्यापारी और आमजन पूछ रहे हैं कि नगर निगम खुद कब जिम्मेदार बनेगा? शहर के कई इलाकों में महीनों से नियमित कचरा संग्रहण की व्यवस्था नहीं है। ऑटो टिपर वाहन या तो समय पर नहीं आते या पूरी गलियों में पहुंचते ही नहीं। नगर निगम ने अभी तक दुकानों को डस्टबिन अनिवार्यता को लेकर कोई लिखित निर्देश भी नहीं दिए थे। व्यापारियों का कहना है कि पहले सुविधाएं दो, फिर जुर्माना लगाओ। व्यापार मंडल से जुड़े कुछ सदस्यों का आरोप है कि नगर निगम द्वारा स्वच्छता की आड़ में बिना पूर्व चेतावनी चालान काटना केवल राजस्व बढ़ाने की कोशिश है, न कि जन जागरूकता। सवाल यह भी उठता है कि अगर जागरूकता ही उद्देश्य था तो जुर्माने की शुरुआत से पहले कोई सूचना अभियान क्यों नहीं चलाया गया? नगर निगम द्वारा दी जा रही "साझा जिम्मेदारी" की अपील तब खोखली लगती है जब खुद निगम की सफाई व्यवस्था नियमित नहीं है, कूड़ा उठाने के लिए पर्याप्त वाहन नहीं हैं और कई जगहों पर निगम के डस्टबिन तक नहीं रखे गए हैं। ऐसे में अचानक चालान और कार्रवाई से नागरिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

अमरनाथ यात्रा से लौट रहे श्रद्धालु की अलवर जंक्शन पर हार्ट अटैक से मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अमरनाथ यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं के दल के एक सदस्य की बुधवार सुबह अलवर रेलवे स्टेशन पर तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान महाराष्ट्र के पुणे (नासिक) निवासी 46 वर्षीय दत्तात्रेय थोरात के रूप में हुई है। वे 160 श्रद्धालुओं के दल के साथ अमरनाथ यात्रा से लौट रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रद्धालुओं का दल दो हिस्सों में विभाजित होकर लौट रहा था। करीब 40 यात्री हवाई मार्ग से लौटे, जबकि शेष 120 यात्री पूजा एक्सप्रेस ट्रेन से जयपुर जा रहे थे। बुधवार सुबह करीब 7 बजे जब ट्रेन अलवर जंक्शन पर रुकी, तभी दत्तात्रेय थोरात की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सहयात्रियों और रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें ट्रेन से उतारा और तुरंत अलवर सामान्य अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक तौर पर उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दल के पांच सदस्य मृतक के शव को अस्पताल की मोर्चरी तक लेकर गए। परिजनों के अलवर पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। यात्रा के दौरान इस दुखद घटना से पूरे दल में शोक की लहर दौड़ गई है।

वन मंत्री से मिले विधायक शेखावत, बानसूर क्षेत्र की वन समस्याओं पर की चर्चा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत ने बुधवार को जयपुर में वन मंत्री संजय शर्मा से मुलाकात की और क्षेत्र की वन विभाग से संबंधित विभिन्न समस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। विधायक शेखावत ने मंत्री के समक्ष बानसूर क्षेत्र में वन विभाग की व्यवस्थागत दिक्कतों, कर्मचारियों की भारी कमी, अवैध कटाई पर नियंत्रण, जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक और ग्रामीण इलाकों में पौधरोपण अभियान को विस्तार देने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे रखे। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के चलते क्षेत्रवासियों को रोजमर्रा की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शेखावत ने विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि जब तक योजनाओं का जमीनी स्तर पर सही से संचालन नहीं होगा, तब तक वन क्षेत्र की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य अधूरा रहेगा। वन मंत्री संजय शर्मा ने विधायक द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को जल्द आवश्यक निर्देश जारी करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संतुलन और वन सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, और बानसूर क्षेत्र में भी जल्द आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बैठक के बाद विधायक शेखावत ने उम्मीद जताई कि मंत्री के हस्तक्षेप से क्षेत्र की वन संबंधी समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा और वन विभाग की कार्यक्षमता में सुधार आएगा।

RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -125 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, गुरूवार 17 जुलाई, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

मॉनसून सत्र से पहले विपक्ष को गोलबंद कर रही कांग्रेस, सरकार को घेरने की तैयारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

संसद के मॉनसून सत्र से पहले विपक्षी दल एकजुट होकर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने 19 जुलाई को इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। सोनिया गांधी इस बैठक का नेतृत्व करेंगी। इस बैठक का मकसद विपक्षी एकता दिखाना और सरकार को घेरने के लिए एक ठोस रणनीति बनाना है।

विपक्ष को गोलबंद करने में जुटी कांग्रेस

कांग्रेस सभी विपक्षी दलों को इस बैठक में शामिल करने की कोशिश कर रही है। वे साझा मुद्दों पर सहमति बनाने और संसद में सरकार से जवाब मांगने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, दिल्ली चुनाव के बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच दूरियां बढ़ने के कारण, उसके इस बैठक से दूर रहने की संभावना है।

विपक्षी दल सरकार को घेरने की कोशिश में

संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले विपक्षी दल सरकार को घेरने की कोशिश में हैं। कांग्रेस ने पहले ही बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण पर सवाल उठाए हैं। अब मॉनसून सत्र के दौरान भी यह मुद्दा उठ सकता है। हालांकि, इस बैठक में आप के शामिल होने की संभावना कम है। दिल्ली चुनाव के बाद कांग्रेस और आप साथ नहीं दिखना चाहते। कांग्रेस भी उसे न्योता नहीं देना चाहती और आप भी ऐसी बैठक में शामिल नहीं होना चाहती जिसमें कांग्रेस हो। इसका मुख्य कारण दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस और आप के बीच बढ़ी राजनीतिक दूरी है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस भी आप को बैठक के लिए औपचारिक न्योता नहीं देना चाहती। दूसरी ओर, आप भी किसी ऐसे मंच पर शामिल नहीं होना चाहती जहां कांग्रेस की अगुवाई हो। इस दूरी के पीछे चुनावी रणनीति और एक दूसरे पर अविश्वास का बड़ा योगदान है।

बैठक में विपक्षी दलों की रणनीति पर चर्चा होगी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस पार्टी विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगी है। 19 जुलाई को होने वाली बैठक में विपक्षी दलों की रणनीति पर चर्चा होगी। वे संसद में सरकार को जवाबदेह बनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बात करेंगे। सोनिया गांधी की मौजूदगी से इस बैठक को एकता का संदेश मिलेगा।

संभावित असहमति को पहले ही सुलझाने की कोशिश

कांग्रेस चाहती है कि मॉनसून सत्र से पहले ही विपक्ष का एक साझा एजेंडा बन जाए। इससे संसद में सरकार को मुद्दों पर घेरा जा सकेगा। सिर्फ नारे लगाने या विरोध करने से कुछ नहीं होगा। इसलिए, पार्टी ने मुद्दों को ध्यान से चुना है और संभावित असहमति को पहले ही सुलझाने की कोशिश कर रही है।

विपक्ष इन मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगा

कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक के दलों से बात करके कुछ राष्ट्रीय मुद्दे चुने हैं। इन मुद्दों पर सभी दलों की सहमति है। विपक्ष इन मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगा। सूत्रों के अनुसार, पहलगाम की हालिया घटनाएं, ऑपरेशन सिंदूर और डोनाल्ड ट्रंप के पीएम मोदी को लेकर किए गए कथित दावे मुख्य मुद्दे हैं। विपक्ष इन तीनों मुद्दों पर सरकार से जवाब चाहता है। कांग्रेस की संसदीय रणनीतिक समिति की बैठक में कुछ और मुद्दे भी तय किए गए हैं। इन मुद्दों को भी विपक्षी दलों को बता दिया गया है। लेकिन कांग्रेस ने कहा है कि वह किसी भी मुद्दे को थोपना नहीं चाहती है। पार्टी का रवैया लचीला है और वह सहयोगी दलों के सुझावों को भी शामिल करने के लिए तैयार है।

दिल्ली से गोवा जा रही फ्लाइट का इंजन फेल, 17 मिनट तक हवा में अटका रहा इंडिगो का प्लेन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

दिल्ली से गोवा जा रही इंडिगो की फ्लाइट की मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इंडिगो का प्लेन दिल्ली से गोवा के लिए रवाना हुआ था। लेकिन अचानक प्लेन का इंजन फेल हो गया और करीब 17 मिनट तक प्लेन हवा में ही घूमता रहा। इसके बाद पायलट ने प्लेन की मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग कराई। 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद से अब तक प्लेन में तकनीकी दिक्कतों के कई मामले सामने आ चुके हैं। एक आरटीआई रिपोर्ट में तो ये खुलासा हुआ है कि पिछले 5 साल में भारत में प्लेन के इंजन फेल होने के 65 मामले सामने आ चुके हैं। इसके पहले बुधवार सुबह दुबई से लखनऊ पहुंची एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में तकनीकी गड़बड़ी आ गई। इंजीनियरों ने जांच के बाद उड़ान को निरस्त कर दिया। विमान में बैठे सभी 166 यात्रियों को होटल में ठहराया गया है। बोर्डिंग और चेकइन प्रक्रिया के बाद सभी 166 यात्री विमान में बैठ गए थे। पायलट ने जैसे ही विमान के इंजन को स्टार्ट किया, उसमें कुछ तकनीकी गड़बड़ी आ गई। पायलट ने एटीसी को उड़ान होल्ड करने के लिए सूचना दी। एअर इंडिया के इंजीनियर मौके पर पहुंचे, लेकिन गड़बड़ी ठीक नहीं हो सकी। इसके बाद उड़ान को निरस्त कर दिया गया। पिछले दिनों भी हैदराबाद जाने वाली उड़ान को बोर्डिंग प्रक्रिया के बाद निरस्त करना पड़ा था। मंगलवार को दिल्ली से पटना जा रही इंडिगो फ्लाइट को जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान गो अराउंड करना पड़ा। पहले प्रयास में अस्थिर एप्रोच के कारण फ्लाइट ने गो अराउंड किया और दूसरी कोशिश में ये सुरक्षित रूप से लैंड हो गई। 9 जुलाई को दिल्ली जाने वाली इंडिगो की उड़ान पक्षी टकराने के कारण वापस पटना लौट गई।

रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

5 साल में 65 बार उड़ती फ्लाइट में बंद हो गए इंजन, 17 महीने में 11 बार मिली 'मेडे' कॉल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश की प्रारंभिक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है कि प्लेन के दोनों फ्यूल स्विच रन से कटऑफ मोड पर चले गए थे। इस कारण इंजन को फ्यूल मिलना बंद हो गया था और विमान दुर्घटना का शिकार हो गया था। इस रिपोर्ट के बाद बोइंग के विमानों में फ्यूल स्विच में आई तकनीकी खराबी की भी आशंका जताई जा रही है। लेकिन इस बीच एक आरटीआई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत में पिछले 5 साल में 65 बार फ्लाइट की उड़ान के दौरान इंजन बंद होने की घटनाएं सामने आई हैं और केवल पिछले 17 महीने में पायलट्स ने 11 बार मेडे की कॉल दी है। ये रिपोर्ट नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से प्राप्त हुई है।

हैरान कर देने वाले मामले

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, आंकड़े इस बात की ओर इशारा करते हैं कि भारत में संचालित एयरलाइंस में इंजन में खराबी की समस्या लगभग हर महीने सामने आती है। सभी 65 मामलों में पायलट्स ने एक ही इंजन से प्लेन को निकटतम एयरपोर्ट तक सुरक्षित रूप से पहुंचाया। भारतीय पायलट संघ के अध्यक्ष कैप्टन सी. एस. रंधावा के मुताबिक, इंजन बंद हो जाने के मुख्य कारण फ्यूल फिल्टर का ब्लॉक होना, फ्यूल में पानी का मिल जाना, इंजन को फ्यूल मिलने में आई परेशानी और इंजन स्टैक में फॉरेन ऑब्जेक्ट का एंटर करना शामिल है। आरटीआई से ये भी पता चला कि 1 जनवरी 2024 से 31 मई 2025 के बीच 11 बार पायलट्स ने मेडे की कॉल दी, जिसमें इमरजेंसी लैंडिंग की मांग की गई थी। 11 में से 4 फ्लाइट्स में तकनीकी दिक्कतें सामने आईं। बता दें कि इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन ने अपने वर्ल्डवाइड सेफ्टी ओवरसाइट मैकेनिज्म में भारत को 48वां स्थान दिया है।

अमित शाह की आज जयपुर में होगी सभा, सहकार सम्मेलन-रोजगार उत्सव को करेंगे संबोधित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

केन्द्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह की आज जयपुर के दादिया में सभा होगी। अमित शाह दादिया में सहकार सम्मेलन और रोजगार उत्सव का उद्घाटन करेंगे। शाह का यह कार्यक्रम पूरी तरह से सरकारी होगा। सभा के बाद शाह लंच पर सत्ता व संगठन के काम की चर्चा कर सकते हैं। अमित शाह दोपहर 12.30 बजे सभा स्थल पहुंचेंगे। यहां दो घंटे रूकने बाद सभा स्थल के पास ही उनके लंच की व्यवस्था की गई है। जहां वे सीएम भजनलाल शर्मा, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और पार्टी के वरिष्ठ नेताओँ के साथ लंच करेंगे। मान जा रहा है कि शाह लंच पर सरकार और संगठन के काम पर चर्चा कर सकते है। जयपुर के दादिया गांव में जिस जगह कल अमित शाह की सभा होने जा रही हैं। उस जगह पीएम मोदी दो बार जनसभा को संबोधित कर चुके हैं। दादिया में पीएम मोदी की पहली सभा विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से ठीक पहले 25 सितम्बर 2023 को हुई थी। इसके बाद प्रदेश में बीजेपी सरकार की पहली वर्षगांठ पर भी पीएम मोदी ने इसी जगह से पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी परियोजना का शिलान्यास करते हुए पहली बार राजस्थान-मध्य प्रदेश की परियोजना के समझौते को भी सार्वजनिक किया गया था। अब दादिया में ही अमित शाह की सभा होने जा रही हैं। इससे पहले अमित शाह करीब तीन माह पहले जयपुर आए थे। लेकिन वे एयरपोर्ट से ही कोटपूतली-बहरोड़ जिले में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हो गए थे। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने साल 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। केन्द्र ने राज्यों को सहकारिता में 54 टास्क दिए हैं। इसी के तहत प्रदेश में सहकार सम्मेलन आयोजित हो रहा है। अमित शाह दोपहर 12 बजे विशेष विमान से जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वे हैलीकॉप्टर से सभा स्थल जाएंगे। सभा से पहले शाह पुलिस विभाग के 100 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद वे सहकारी उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे। इसके बाद शाह मंच से 24 अन्न भंडारण गोदाम और 64 मिलेट्स आउटलेट्स का वर्चुअल लोकापर्ण भी करेंगे। इस मौके पर अमित शाह सरकारी नौकरियों पाने वाले नव चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। वहीं चार जिलों के नव चयनित अभ्यर्थियों और लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे।

एअर इंडिया ने पूरी की बोइंग 787 विमानों की जांच, फ्यूल स्विच में नहीं मिली कोई समस्या

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

एअर इंडिया ने अपने बोइंग 787 विमानों में फ्यूल कंट्रोल स्विच के लाकिंग सिस्टम की जांच बुधवार को पूरी कर ली और इसमें कोई समस्या नहीं पाई गई। विमानन नियामक डीजीसीए ने सोमवार को विमानन कंपनियों से उनके बोइंग 787 और 737 विमानों में फ्यूल स्विच लॉकिंग प्रणाली की सात दिनों में जांच करने को कहा था। यह निर्देश एअर इंडिया के बोइंग 787 विमान की दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आने के कुछ दिन बाद दिया गया था। एअर इंडिया के पायलटों को भेजे गए एक संदेश का हवाला देते हुए कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि सप्ताहांत में हमारी इंजीनियरिंग टीम ने हमारे सभी बोइंग 787 विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच (एफसीएस) को लॉक करने की प्रणाली का एहतियाती निरीक्षण शुरू किया। निरीक्षण पूरा हो गया है और कोई समस्या नहीं पाई गई। अधिकारी ने यह भी बताया कि बोइंग रखरखाव कार्यक्रम के अनुसार सभी बोइंग 787-8 विमानों में थ्राटल कंट्रोल माड्यूल बदला गया है। एफसीएस इसी माड्यूल का हिस्सा है। फ्यूल कंट्रोल स्विच विमान के इंजन में ईंधन के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) ने एअर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर शनिवार को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। इसने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड में बंद हो गए थे, जिससे वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। वैश्विक एयरलाइंस समूह इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आइएटीए) ने कहा है कि एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर एएआइबी की प्रारंभिक रिपोर्ट में लोगों की अपेक्षा से कहीं अधिक जानकारी है

दो पॉलिटिकल पार्टी के ठिकानों पर आयकर रेड

500 करोड़ का लिया बोगस चंदा, कमिशन काटकर वापस लौटाई रकम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

आयकर टीमों को पिछले 3 साल में दोनों पॉलिटिकल पार्टी के कमिशन काटकर 500 करोड़ रुपए का बोगस चंदा वापस लौटाने के सबूत मिले है। आयकर विभाग छापेमारी में मिले डॉक्यूमेंट और डिजिटल डिवाइस की पड़ताल कर रही है। दरअसल, आयकर विभाग ने कटौतियों और छूटों के फेक दावों को लेकर देशभर में करीब 150 ठिकानों पर सोमवार 14 जुलाई को छापेमारी की कार्रवाई की शुरुआत की। जांच में आईटीआर तैयार करने वाले और बिचौलियों की ओर से संचालित संगठित गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, गुजरात, पंजाब और मध्य प्रदेश में तलाशी और जब्ती कार्रवाई में विभिन्न ग्रुपों और संस्थाओं की ओर से धोखाधड़ी करने के सबूत मिले।

बढ़ाया जांच का दायरा, 2 पॉलिटिकल पार्टी मिली

राजस्थान आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने जांच का दायरा बढ़ाया गया। इनकम टैक्स जालसाजी संगठित गिरोह के संपर्क में मध्यप्रदेश की भारतीय सामाजिक पार्टी और महाराष्ट्र की युवा भारत आत्मनिर्भर दल का होना सामने आया। दोनों ही पॉलिटिकल पार्टी के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापेमारी शुरू की। आयकर टीमों ने दोनों पॉलिटिकल पार्टी के महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और राजस्थान में 10 ठिकानों पर रेड की। भारतीय सामाजिक पार्टी का रजिस्टर्ड ऑफिस मध्यप्रदेश के अलीराजपुर और युवा भारत आत्मनिर्भर दल का महाराष्ट्र के औरंगाबाद में हैं। भारतीय सामाजिक पार्टी के बैंक अकाउंट राजस्थान के भीलवाड़ा शहर में मौजूद है।

पिछले 3 साल का मिला ब्योरा

आयकर विभाग की जांच में सामने आया है कि दोनों पॉलिटिकल पार्टी चंदे में आए रुपयों को राजनीतिक गतिविधियों में यूज नहीं लेती थी। दोनों ही पार्टियों की ओर से कमिशन पर बोगस चंदा लिया जाता था। आयकर टीमों की कार्रवाई में पिछले 3 साल में दोनों पॉलिटिकल पार्टी के 500 करोड़ रुपए का बोगस चंदा लेने का पता चला है। दोनों ही पार्टियों को काफी चंदा राजस्थान के अनेक लोगों से मिला है। डोनेशन के जरिए मिलने वाले रुपयों में पार्टी की ओर से अपना कमिशन रोककर बोगस चंदा कैश लौटा देते थे। आयकर विभाग की ओर से चंदे के अलावा फर्जी चिकित्सा खर्च, बच्चों की फर्जी ट्यूशन फीस, मकान किराया आदि की रसीदों को लेकर ली जा रही छूट के फर्जीवाड़े में लिप्त लोगों पर कार्रवाई की जा रही है। इस तंत्र में काफी सीए, कर सलाहकार सहित विभिन्न व्यक्तियों के शामिल होने पर उन्हें कवर किया गया है। आयकर विभाग की अगली कार्रवाई बोगस डोनेशन देने वाले आयकर करदाताओं पर हो सकती है।

चिंतन

कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने की जरूरत

भारतीय कृषि क्षेत्र अभी भी अनेक संकटों के दौर से गुजर रहा है। केंद्र में वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी की राजग सरकार आने के बाद से कृषि क्षेत्र की कायापलट के लिए अनेक योजनाएं शुरू की गई, किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुनी करने करने का संकल्प लिया गया। इसके बावजूद न ही कृषि क्षेत्र की कायापलट हो सकी, न ही कृषि लाभकारी बन सकी और न ही किसानों की आय दोगुनी हो सकी। करीब एक वर्ष से अधिक समय तक तीन कृषि कानूनों की वापसी के लिए किसान आंदोलन चला, दबाव में सरकार ने तीनों कृषि कानून वापस ले लिए। उसके बाद से कृषि क्षेत्र सुस्त गति से बढ़ रहा है। जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान भी 35 फीसदी से घट कर 14 फीसदी के करीब आ गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में कृषि क्षेत्र की विकास दर 3.8 फीसदी रही, जबकि दरकार पांच फीसदी से अधिक की है। मानव कार्यबल के करीब 50 फीसदी श्रम कृषि क्षेत्र में कार्यशील हैं, इसके बावजूद यह क्षेत्र संकटग्रस्त है। देश में कृषि क्षेत्र कई समस्याओं का सामना कर रहा है, जिनमें जलवायु परिवर्तन, भूमि की उर्वरता में कमी, सिंचाई की कमी और छोटे व खंडित जोत शामिल हैं। वहीं, विपणन और भंडारण सुविधाओं की कमी, मशीनीकरण का खराब उपयोग, और ऋण उपलब्धता भी महत्वपूर्ण समस्याएं हैं। कृषि क्षेत्र को गति देने के लिए सरकार ने पीएम धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है। इस योजना पर 24 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे, 100 कम कृषि उत्पादन वाले जिलों को शामिल किया जाएगा। इनमें हर राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश से कम से कम एक जिला जरूर कवर होगा। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1 फरवरी को आए केंद्रीय बजट में इस योजना की घोषणा की गई थी। इसमें 11 मंत्रालयों की 36 मौजूदा योजनाओं को एकीकृत किया जाएगा। साथ में राज्य की योजनाएं और निजी क्षेत्र की भागीदारी भी जोड़ी जाएगी। योजना 2025-26 से शुरू होकर अगले 6 साल तक चलेगी। इस स्कीम में 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। इस योजना का मकसद चयनित जिलों में ज्यादा उत्पादन, फसल विविधता, टिकाऊ खेती, आधुनिक भंडारण और हर किसान को किफायती कर्ज देना है। यह योजना देश में केवल कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों पर ही फोकस करेगी। पीएम धन-धान्य कृषि योजना में किसानों को गेहूं-धान के बजाय दूसरी फसलों और टिकाऊ कृषि तरीकों को भी अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कटाई के बाद उपज के सुरक्षित भंडारण के लिए पंचायत-स्तर और ब्लॉक-स्तर पर गोदाम, कोल्ड स्टोरेज और वैल्यू एडिशन यूनिट्स बनाई जाएंगी। हर किसान तक लंबी और छोटी अवधि का सस्ता कर्ज और सिंचाई सुविधाएं पहुंचेंगी। मिट्टी-पानी संरक्षण, जैविक खेती और जल की बचत पर खास फोकस होगा, जिससे किसान के खर्च घटे और आमदनी बढ़े। प्लानिंग और मॉनिटरिंग के लिए हर जिले, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विशेषज्ञों और प्रगतिशील किसानों को जोड़कर समिति बनाई जाएगी। हर जिले का अपना 'डिस्ट्रिक्ट एग्रीकल्चर एंड अलाइड एक्टिविटीज प्लान तैयार होगा, उसमें स्थानीय जरूरत और ताकत के हिसाब से फसल, सिंचाई, भंडारण आदि की रणनीति तय होगी। यह योजना जमीन पर कितनी उतरेगी और कृषि क्षेत्र के विकास में किस प्रकार योगदान करेगी, अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा, लेकिन अतीत की अधिकांश कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन में अनेक अनियमितताएं व लूपहोल्स देखे गए हैं। सरकार को सतर्क रहना होगा।

समानता रिपोर्ट
उमेश चतुर्वेदी

बेहतरी की ओर बढ़ते भारत के कदम

> विश्व बैंक की रिपोर्ट ने भारतीय समाज को ज्यादा समतामूलक बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस रैंकिंग में चोटी के चार देशों में शामिल हो गया है, जबकि दुनिया की नंबर एक और नंबर दो अर्थव्यवस्थाएं यानी अमेरिका और चीन उससे पीछे हो गए हैं। दिलचस्प यह है कि जिस समय यह रिपोर्ट आई, ठीक उन्हीं दिनों ऑक्सफैम जैसी दूसरी एजेंसियों की ओर से आई रिपोर्टों के हवाले से भारत में बढ़ती आर्थिक असमानता को लेकर सवाल उठ रहे थे। ऐसे में विश्व बैंक की इस रिपोर्ट का आना और उसके समानता सूचकांक में भारत का बेहतर प्रदर्शन करना सुखद आश्चर्य का कारण तो बनता ही है। साफ है कि गिनी सूचकांक में भारत की स्थिति सुधरी है।

इसे संयोग कहें या कुछ और, जिस समय भारतीय संविधान की प्रस्तावना में आपातकाल के दिनों जोड़े गए शब्दों 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' को लेकर बहस हो रही है, ठीक उसी वक्त आई विश्व बैंक की रिपोर्ट ने भारतीय समाज को ज्यादा समतामूलक बताया है। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस रैंकिंग में चोटी के चार देशों में शामिल हो गया है, जबकि दुनिया की नंबर एक और नंबर दो अर्थव्यवस्थाएं यानी अमेरिका और चीन उससे पीछे हो गए हैं। भारत से आगे स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस हैं। दिलचस्प यह है कि जिस समय यह रिपोर्ट आई, ठीक उन्हीं दिनों ऑक्सफैम जैसी दूसरी एजेंसियों की ओर से आई रिपोर्टों के हवाले से भारत में बढ़ती आर्थिक असमानता को लेकर सवाल उठ रहे थे। ऐसे में विश्व बैंक की इस रिपोर्ट का आना और उसके समानता सूचकांक में भारत का बेहतर प्रदर्शन करना सुखद आश्चर्य का कारण तो बनता ही है।

विश्व बैंक के समानता सूचकांक को गिनी सूचकांक भी कहा जाता है। एक तरह से यह आर्थिक विकास को सामाजिक समानता से जोड़ने का सूचकांक है। इस आंकड़े के अनुसार, भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है। भारत 'सामान्य से कम' असमानता श्रेणी में है। मानकों के अनुसार, इस श्रेणी के लिए स्कोर 25 से 30 के बीच होता है। यह 'कम असमानता' वाले समूह के मानक से कुछ ही ज्यादा है। इस श्रेणी में स्लोवाक गणराज्य शामिल है। स्लोवाक का गिनी इंडेक्स 24.1 है। इसी तरह दूसरे स्थान पर रहे सोवियत संघ के पूर्व हिस्से और मौजूदा स्लोवेनिया देश का सूचकांक 24.3 है। इसके बाद 24.4 अंकों के साथ बेलारूस है। इन तीनों के बाद भारत का नंबर है। गौरतलब है कि विश्व बैंक ने दुनिया के 167 देशों का गिनी इंडेक्स जारी किया है। इनमें भारत की स्थिति बहुत बेहतर है। रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ़ 30 देश 'सामान्य से कम' असमानता वाली श्रेणी में आए हैं। जिनमें अत्यधिक लोक कल्याण वाले अनेक यूरोपीय देश जैसे आइसलैंड, नॉर्वे, फ़िनलैंड, बेल्जियम और पोलैंड शामिल हैं। इसमें संयुक्त अरब अमीरात जैसा धनी देश भी शामिल है। इस सूचकांक के लिहाज से भारत का प्रदर्शन विगत के डेढ़ दशक की तुलना में बहुत बेहतर है। साल 2011 में भारत का गिनी सूचकांक 28.8 था। साल 2022 में यह 25.5 पर पहुंच गया। गिनी सूचकांक के जरिए यह समझने की कोशिश की जाती है कि देश विशेष के घरों या व्यक्तियों के बीच आय, संपत्ति और उसके उपभोग के वितरण में कितनी समानता है। इसे शून्य से लेकर 100 के सूचकांक के स्तर पर मापा जाता है। इस सूचकांक के अनुसार, जिस देश का स्कोर शून्य है, उसका मतलब है कि उस देश में पूरी तरह समानता है यानी आय का वितरण पूरे नागरिकों में समान है। इस सूची में 100 स्कोर का अर्थ है कि एक ही व्यक्ति के पास पूरी आय और संपत्ति है और वही सबसे ज्यादा उपभोग करता है, जबकि दूसरों के पास कुछ भी नहीं है। इसका मतलब यह होता है कि उस देश विशेष में पूरी तरह असमानता व्याप्त है। मोटे तौर पर समझ सकते हैं कि जिस देश का गिनी इंडेक्स जितना ज्यादा होगा, उस देश में उतनी ही असमानता होगी। विश्व बैंक का मानना है कि गिनी इंडेक्स में भारत की मजबूत स्थिति की वजह उसके गरीबी हटाओ उपाय हैं। इनके जरिए ग्रामीण और

शहरी दोनों ही क्षेत्रों में गरीबी को कम करने में देश लगातार आगे बढ़ रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार, बीते दशक में 17.1 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की गई है।

विश्व बैंक ने गरीबी के लिए रोजाना 2.15 अमेरिकी डॉलर से नीचे की आय को रखा है। इस लिहाज से भारत में 2011-12 के दौरान करीब 16.2 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे जी रहे थे, उनकी संख्या में साल 2022-23 में घटकर सिर्फ 2.3 प्रतिशत रह गई है। भारत में समानता लाने में मोदी सरकार की योजनाओं का बहुत योगदान है। इसमें नई योजनाएं हैं और पुरानी का बेहतर कार्यान्वयन भी है। इसमें प्रधानमंत्री जन धन योजना को पहले स्थान पर रखा जा सकता है। जिस योजना के तहत 25 जून, 2025 तक 55.69 करोड़ से ज़्यादा लोगों के पास जन धन खाते थे। इनके जरिए ना सिर्फ लोगों को राज्य की ओर से मिलने वाली कल्याणकारी योजनाओं का फायदा सीधे पहंच रहा है, बल्कि वित्तीय कामकाज के लिए बैंकों तक इन लोगों का जुड़ाव बढ़ा है। इससे लोगों की आर्थिक स्थिति सुधर रही है। आधार और डिजिटल पहचान के जरिए कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हुई है। भारत की आर्थिक और सामाजिक असमानता को कम करने में आयुष्मान भारत योजना का भी हाथ मान सकते हैं। इसके जरिए इससे कवर परिवार को सालाना 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार तीन जुलाई, 2025 तक देशभर में 41.34 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। इसके दायरे में देश भर के 32,000 से अस्पताल शामिल हैं।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की वजह से यह प्रयास और मजबूत हुआ, जिसमें लोगों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए 79 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य खाते बनाए जा चुके हैं। भारत में आर्थिक और सामाजिक असमानता को दूर करने में स्टैंड-अप इंडिया जैसी योजना के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्थापित इस योजना के जरिए दलित और आदिवासी एवं महिला उद्यमियों को ग्रीनफील्ड उद्योग स्थापित करने के लिए 10 लाख से एक करोड़ रुपये तक का कर्ज दिया जा रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार इस साल जुलाई के पहले हफ्ते तक इस योजना के तहत पूरे देश में 2.75 लाख से अधिक आवेदन स्वीकृत किए जा चुके थे। इसके तहत नव उद्यमियों को 62,807.46 करोड़ रुपये दिये जा चुके हैं। एक तरह से इस योजना के जरिए वंचित समुदाय की आर्थिक तरक्की हो रही है। आर्थिक तरक्की की राह सामाजिक विकास को भी प्रभावित करती है। भारत में जारी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना देश की खाद्य और सामाजिक सुरक्षा का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। कोरोना महामारी के दौरान शुरू की गई इस योजना तहत 80.67 करोड़ लोगों को खाद्यान्न दिया जा रहा है। इसका यह मतलब नहीं कि ऑक्सफैम की रिपोर्ट को अनदेखा कर दिया जाए। इसके अनुसार देश में आर्थिक असमानता बहुत ज्यादा है। इस रिपोर्ट के अनुसार देश के सबसे अमीर महज एक प्रतिशत लोगों के पास देश की चालीस फीसद से ज्यादा की संपत्ति है, जबकि सबसे गरीब आधी आबादी के पास सिर्फ तीन प्रतिशत संपत्ति है। यह असमानता आय, संपत्ति और अवसरों में भी साफ तौर पर दिखती है। साफ है कि गिनी सूचकांक में भारत की स्थिति सुधरी है, लेकिन ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार असमानता की ओर भी ध्यान देना होगा। तभी हम सही मायने में समतामूलक और समाजवादी समाज बन सकेंगे, क्योंकि समाजवाद का मतलब पूंजी का विकेंद्रण होता है, संकेंद्रण नहीं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

सारा संसार

भुवनेश्वर में राम मंदिर भगवान राम, उनकी पत्नी, देवी सीता और उनके प्यारे भाई, भगवान लक्ष्मण को समर्पित एक खूबसूरत मंदिर है। भगवान हनुमान, भगवान शिव और अन्य कई देवताओं समेत यह शानदार मंदिर है।

आत्म ज्ञान क्या है

संकलित
दर्शन

एक इच्छा पूरी होती नहीं कि दूसरी खड़ी हो जाती है-जैसे हवाई अड्डे पर हवाई जहाज एक के बाद एक उड़ान भरते हैं। जब हम अपने मन की इस प्रवृत्ति पर ध्यान करते हैं, तभी एक गहरा प्रश्न उभरता है-जीवन का उद्देश्य क्या है? यह प्रश्न उठना ही मनुष्य होने का चिन्ह है। हम दूसरों से पूछते हैं, तुम क्या कर रहे हो? कभी-कभी स्वयं से भी पूछना चाहिए, मैं क्या कर रहा हूँ? यह प्रश्न स्वयं में ही एक साधना है। इसका उत्तर ढूँढ़ने की जल्दी मत करो। यह प्रश्न तुम्हें भीतर की गहराई में ले जाएगा। किताबें पढ़कर या केवल कुछ क्रियाएँ करके जवाब नहीं मिलते, बल्कि यह प्रश्न ही तुम्हें तुम्हारी आत्मा के करीब ले जाएगा। तो आत्मज्ञान क्या है? यह जीवन को गहराई से जीना है- ऐसी अवस्था जिसमें कोई भी परिस्थिति तुम्हें तनाव नहीं दे सकती। बल्कि तुम परिस्थितियों को प्रभावित कर सकते हो। अगर तुम्हारी मुस्कान हृदय की गहराई से आए, तो वही आत्मज्ञान है। हम सब मुस्कुराते हैं, लेकिन अंदर की मुस्कान से संपर्क टूट गया है। जब तुम उस भीतर की मुस्कान से जुड़ते हो, सरल हो जाते हो, निष्कलुष हो जाते हो, यही आत्मज्ञान है। आत्मज्ञान कोई उपलब्धि नहीं है। बल्कि अज्ञान को हटाना उपलब्धि है, तनाव और बोझ को छोड़ देना उपलब्धि है। क्योंकि हमारा मूल स्वभाव ही आत्मज्ञान है। इसलिए मानवीय और दैवीय दो अलग-अलग वस्तुएं नहीं हैं। मानव शरीर उस फल का छिलका है, और भीतर की मिठास ही दिव्यता है। और उस पर चढ़ा हुआ प्लास्टिक कवर तनाव है। *-श्रीश्री रविशंकर*

कोयल-अपनी वाणी को मधुर बना लेना

संकलित
प्रेरणा

एक बार वसंत ऋतु में एक कोयल वृक्ष पर बैठी कूक रही थी। आते-जाते लोग उसकी कूक को सुनते और उसकी सुरीली आवाज का आनंद लेते हुए उसकी तारीफ के पुल बांधते। कुछ देर बाद कोयल के सामने एक कौआ तेज गति से आया। कोयल ने उससे पूछाः इतनी तेज गति से कहां जा रहे हो? कुछ देर बैठो, बातें करते हैं। कौए ने उत्तर दियाः कि वह जरा जल्दी में है और देश को छोड़कर परदेस जा रहा है। कोयल ने इसका कारण पूछा तो कौआ बोलाः यहां के लोग बहुत खराब हैं। सब तुम्हें ही चाहते हैं। सभी लोग सिर्फ तुम्हारा आदर करते हैं। वह यही चाहते हैं कि तुम हमेशा की तरह इसी प्रकार से उनके क्षेत्र में गाती रहो। वहीं जहां तक मेरी बात है तो मुझे कोई देखना तक नहीं चाहता। यहां तक कि मैं किसी की मुंडेर पर बैठता हूं तो मुझे कंकड़ मारकर वहां से भगा दिया जाता है। मेरी आवाज भी कोई नहीं सुनना चाहता। जहां मेरा अपमान हो, मैं ऐसे स्थान पर एक क्षण भी नहीं रहना चाहता। ज्ञानियों ने भी हमें यही शिक्षा दी है कि अपमान की जगह पर नहीं रहना चाहिए। यह सुनकर कोयल बोली, परदेस जाना चाहते हो तो बड़े शौक से जाओ। यह पूरी तरह से तुम्हारी इच्छा पर निर्भर है। लेकिन एक बात का सदैव ध्यान रखना कि वहां जाने से पहले अपनी आवाज को बदल लेना। अपनी वाणी को मधुर बना लेना। यदि तुम्हारी वाणी ठीक वैसी ही कठोर रही, जैसी यहां पर है तो परदेस में भी लोग तुम्हारे साथ वही व्यवहार करेंगे जो अभी हो रहा है। संसार जो है, जैसा भी है, उसे बदला नहीं जा सकता।

संस्कृति

डॉ. रमेश ठाकुर

मत्तूरु गांव में 600 वर्षों से बोली जा रही है 'संस्कृत'

एकाध दशकों से पश्चिमी भाषा इस कदर हावी हुई है जिससे हमने अपनी पारंपरिक भाषाओं और सभ्यताओं को पीछे छोड़ दिया है, इसमें 'संस्कृत भाषा' अव्वल स्थान पर है। कड़वी सच्चाई ये है कि समूचे भारत में मात्र एक प्रतिशत भी संस्कृत का प्रचार-प्रसार, बोलचाल और पठन-पाठन नहीं बचा? ऐसे में संस्कृत से जुड़ी एक सुखद खबर मन को खुशी देती है। खबर है कि देश में आज भी एक गांव ऐसा है जहां चौबीसों घंटे सिर्फ संस्कृत ही बोली और पढ़ी जाती है। 'मत्तूरु' गांव में पिछले छह सौ वर्षों से संस्कृत जिंदा है। वहां के लोग दैनिक बातचीत में नियमित संस्कृत का प्रयोग करते हैं। संस्कृत भाषा की जो परंपरा सदियों पहले हुआ करती थी, उस गांव में अब भी यथावत है। भारत के राज्यों में एकाध गांव और भी हैं जहां संस्कृति बोली जाती है, लेकिन इस गांव में शत-प्रतिशत संस्कृत का प्रयोग होता है। 'मत्तूरु' गांव कर्नाटक से करीब 300 किलोमीटर दूर 'तुंग नदी' के समीप बसा है जिसे देश के अंतिम 'संस्कृत भाषी' गांव की उपाधि हासिल है। गांव में रहने वाले प्रत्येक शख्स को संस्कृत बोलनी, लिखनी और पढ़नी अच्छे से आती है। इस गांव में 16वीं शताब्दी से संस्कृत बोली जाती है। किसानों से लेकर नौकरीपेशा भी संस्कृत में बात करते हैं। इस अनोखे गांव का आकर्षण ऐसा है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर राजीव गांधी, इंदिरा गांधी व पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम भी भ्रमण कर चुके हैं। साल भर देश-विदेश के लोग गांव का विजिट करते हैं। ताज्जुब करने वाली बात ये है कि गांव में बाहरी लोगों के लिए कोई होटल या रेस्त्रा नहीं है। अतिथियों का गांववासी अपने यहां खाना और रुकने की व्यवस्थाएं निःशुल्क करते हैं। संस्कृत प्रेमी जब पहुंचते हैं तो गांव वाले उन्हें पानी और गुड देकर स्वागत करते हैं। संस्कृत के अलावा वहां हिंदी या अंग्रेजी में गांव के लोग एक शब्द भी नहीं बोलते। निश्चित रूप से अंग्रेजी और अन्य देशी-विदेशी भाषाओं ने संस्कृत को पीछे धकेला हो, लेकिन 'मत्तूरु' गांव आज भी संस्कृत की संस्कृति को सहेजे हुए है। भारतीय अपनी देशी भाषाओं को छोड़ बाहरी भाषाओं को अधिक व्यावहारिक और उपयोगी मानने लगे हैं। लेकिन 'मत्तूरु' गांव में विभिन्न देशों के लोग संस्कृत सीखने लगातार पहुंच रहे हैं। 'भाषा एंव संस्कृति मंत्रालय' का ताजा आंकड़ा बताता है कि भारत में पिछड़ती भाषाओं को विदेशी लोग बड़े चाव से सीख रहे हैं। विदेश के ज्यादातर विश्वविद्यालयों में हिंदी और संस्कृत प्रमुखता से पढ़ाई जाने लगी है जिनके प्रोफेसर या विशेषज्ञ कोई भारतीय नहीं, बल्कि विदेशी ही हैं, जो हमारे यहां से सीखकर गए हैं। ये अपने आप में बड़ा मुद्दा है कि जिन भाषाओं को हम नकार रहे हैं उन्हें विदेशी अपना रहे हैं? इसके पीछे का लॉजिक हमें समझना होगा? भविष्य में हमारे लिए खतरनाक भी साबित हो सकता है। क्योंकि भाषाओं के बल पर घुसपैठ होना कोई बड़ी बात नहीं? संस्कृत को "देवों की भाषा" कहा गया है। संस्कृत के गर्भ से ही संसार की ज्यातार भाषाओं की उत्पत्ति हुई है। संस्कृत को भारत की सर्वाधिक पुरानी भाषाओं में गिना जाता है। इसलिए संस्कृत के संरक्षण और आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ-साथ इसे भी उतना ही महत्व दिए जाने की जरूरत है। संस्कृत की संस्कृति बचाने की दिशा में 'मत्तूरु' गांव हमारे लिए उदाहरण है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

एआई का बढ़ता महत्त्व

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में एक बार फिर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एआई के क्षेत्र में देश तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। एआई के क्षेत्र में युवा तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। इस दौरान दुनिया ने इस सेक्टर में भारत की प्रगति की जमकर सराहना की। असल में एआई को लेकर कहा जा रहा है कि इससे नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन यह पूरा सच नहीं है। यह बात कुछ हद तक ठीक है कि इससे रोजगार जाएंगे, लेकिन कुछ क्षेत्रों में ही ऐसा होगा और वह भी काफी कम मात्रा में। इसके उलट कई सेक्टरों में नई नौकरियां भी पैदा होंगी।

-रमेश प्रताप सिंग, सरायपाली

करंट अफेयर

इजराइल में लोगों ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

यरुशलम के ऐतिहासिक जाफा गेट परिसर में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) मनाने के लिए करीब 200 योग प्रेमी मंगलवार शाम पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हालांकि 21 जून को मनाया जाता है लेकिन इजराइल-ईरान संघर्ष के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। यह योग सत्र यरूशलम नगर पालिका, इजराइल के विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास ने यरुशलम के बाहरी इलाके में आयोजित किया था। इज़राइल में भारत के राजदूत जे पी सिंह ने कहा, ''इस समय इजराइल में योग का आयोजन बहुत ही सामयिक है क्योंकि लोग तनावग्रस्त हैं और चिंता का स्तर बहुत ज़्यादा है। योग हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है।

उन्होंने कहा, ''हालिया संघर्ष के कारण हम 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन नहीं कर पाए लेकिन हम इजराइली विदेश मंत्रालय और यरुशलम नगर पालिका के सहयोग से आज ऐतिहासिक शहर यरुशलम में इसका आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लोगों के कल्याण के लिए हर दिन योग दिवस होना चाहिए। विदेश मंत्रालय में दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख राजदूत सागी कर्णी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''हम जानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

ऑफ बीट

साइकिल चलाना पैदल चलने से चार गुना ज्यादा प्रभावी

साइकिलिंग के माध्यम से लोग चलने या दौड़ने की तुलना में कम ऊर्जा खपत पर तेज और दूर तक सुविधाजनक तरीके से सफर करने में सक्षम होते हैं।

लेकिन आखिर पैदल चलने की तुलना में साइकिलिंग इतनी आसान क्यों लगती है? इसका जवाब छिपा है उस सुव्यवस्थित जैव-यांत्रिकी में जो साइकिल का हमारे शरीर के साथ तालमेल बनाती है। लेकिन यह सरलता एक ऐसी इंजीनियरिंग को छिपाए हुए है, जो मानव शरीर की संरचना और क्रिया प्रणाली से बिल्कुल मेल खाती है। जब हम चलते या दौड़ते हैं तो असल में हमारा झुकाव एक नियंत्रित तरीके से आगे की ओर रहता है और हर कदम पर खुद को संभालते हैं। हमारे पैरों को हर कदम पर एक बड़े दायरे में आगे बढ़ाना पड़ता है, हर कदम पर पैरों को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ऊपर उठाना पड़ता है। सिर्फ इस क्रिया में ही शरीर की बहुत सारी ऊर्जा खर्च होती है। साइकिल पर, आपके पैर बहुत छोटी गोलाकार गति में घूमते हैं। हर क्रिया पर अपने पूरे पैर का वजन उठाने के बजाय, आप बस अपनी जांघों और पिंडलियों को एक संकुचित पैडल वाली साइकिल पर घुमाते हैं। इस वजह से शारीरिक ऊर्जा की बचत तुरंत महसूस होती है। लेकिन असली दक्षता यह है कि मानव ताकत ऐसी ऊर्जा में बदल जाती है जो साइकिल को आगे बढ़ाती है।

ट्रेंड

कृषि को प्रोत्साहन

आज केंद्रीय कैबिनेट ने 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत देशभर में 100 एग्री-डिस्ट्रिक्ट चयनित किए जाएँगे, जहाँ 11 मंत्रालयों की 36 योजनाओं का समन्वय कर वैज्ञानिक व आधुनिक कृषि को प्रोत्साहित किया जाएगा।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

सेंटर का उद्घाटन

आज मुंबई के बीकेसी में भारत में टेस्ला के पहले एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन किया गया। यह केवल एक एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन नहीं है; यह एक शक्तिशाली संदेश है - टेस्ला यहाँ है, और इसने सही शहर और सही राज्य चुना है: मुंबई, महाराष्ट्र!

-देवेन्द्र फड़नवीस, सीएम, महाराष्ट्र

सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री

असम का मुख्यमंत्री भारत का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री है - और, कुछ ही समय में कांग्रेस के बब्बर शेर उसे जेल पहुंचाएंगे। इसका डर उसकी आंखों में साफ दिख रहा है - क्योंकि उसे अब न मोदी बचा पाएंगे और न ही शाह!

-राहुल गांधी, सांसद कांग्रेस

यही किरदार है

एक साल में तीन फिल्में बनायीं और तीनों में अलग-अलग भूमिकाएँ। ऐसा प्रदर्शन जो सब से अलग, किरदार ; कहीं भी नहीं लगा कि ये अभिषेक बच्चन है, यही लगा कि यही किरदार है। मेरा हृदय से आशीर्वाद।

-अमिताभ बच्चन, अभिनेता

18 जुलाई को आयोजित की जाएगी जिला स्तरीय जनसुनवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा,

मुख्य सचिव के निर्देशानुसार जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जायेगा। जिला स्तर पर आमजन की परिवेदनाओं के संबंध में जिला स्तरीय जनसुनवाई 18 जुलाई शुक्रवार को जिला कलक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में प्रातः 11 बजे जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा के वीसी कक्ष में रखी गई है। जनसुनवाई में परिवादियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की विस्तृत समीक्षा के साथ त्रिस्तरीय जनसुनवाई के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी।

राडा के प्रतिनिधियों ने यूडीएच मंत्री को सौंपा ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा को ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष चानणमल अग्रवाल और सचिव राजन सिंह ने यूडीएच मंत्री से रिंग रोड के पास अजमेर रोड और आगरा रोड पर नए ट्रांसपोर्ट नगर बसाने की मांग की। राडा के प्रतिनिधियों का कहना है कि जयपुर का तेजी से विस्तार हो रहा है। शहर की यातायात व्यवस्था को बाधित होने से बचाने के लिए और भविष्य के विस्तार को ध्यान में रखते हुए जयपुर से निकलने वाले सभी हाईवे पर ट्रांसपोर्ट नगर होने चाहिए। राडा की ओर से यूडीएच मंत्री को सीकर रोड़ पर ट्रांसपोर्ट नगर में भूखंड आवंटियों की समस्याओं के समाधान की भी मांग रखी। इनमें किस्त जमा कराने से चूकने वाले आवंटियों को एकमुश्त राशि जमा कराने का अवसर, गुम फाइल पर पूर्व दर पर नए डिमांड लेटर जारी करने, कॉर्नर भूखंड आवंटित करने, प्रथम चरण लॉटरी के बचे आवंटियों को भूखंड देने, एक प्लांट दो बार आवंटित के विवाद का निराकरण करने, ट्रांसपोर्ट नगर में सड़क, जल निकास, रोड लाइट सुलभ शौचालय जैसी प्राथमिक सुविधाएं विकसित की जाएं।

मुख्यमंत्री रोजगार मेला 17 जुलाई को खैरथल में आयोजित होगा

नवनियुक्त कार्मिकों से संवाद करेंगे मुख्यमंत्री, जिला स्तरीय तैयारियां पूर्ण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

राज्य सरकार के निर्देशानुसार गुरुवार को मुख्यमंत्री रोजगार मेला का आयोजन जिला स्तर पर किया जाएगा। यह आयोजन पी एम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खैरथल के सभागार में प्रातः 11.00 बजे से आयोजित किया जाएगा, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नवनियुक्त कार्मिकों से सीधा संवाद करेंगे और उन्हें संबोधित भी करेंगे। बैठक में जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने जिला स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्य आवंटित करते हुए समुचित इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नवनियुक्त कार्मिकों से संवाद करने के साथ संबोधित करेंगे। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु वेद प्रकाश सैनी, उप रजिस्ट्रार सहकारी समिति खैरथल-तिजारा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही वीरेन्द्र त्यागी, संयुक्त निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग खैरथल-तिजारा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला कलेक्टर ने बताया कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले नवनियुक्त कार्मिकों का कार्यक्रम स्थल पर पंजीकरण करने के साथ ही उपस्थिति प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इस दौरान नवनियुक्त कार्मिक को वेलकम किट भी प्रदान किया जाएगा।

भिवाड़ी में बिजली चोरी के खिलाफ बड़ा अभियान: 80 से अधिक अवैध कनेक्शन पकड़े, हरियाणा तक पहुंच रही थी बिजली

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी में बुधवार को बिजली विभाग ने सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर (एसई) जेपी बैरवा के नेतृत्व में बिजली चोरी के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। इस दौरान नंगलिया, आलमपुर, बस स्टैंड, भिवाड़ी मोड़ और आसपास की कॉलोनियों में 80 से अधिक अवैध बिजली कनेक्शन पकड़े गए। अभियान में विजिलेंस एईएन अनुराग, एईएन कमल वर्मा, जेईएन रविंद्र सिंह, अमृतलाल सहित 20 टेक्निकल कर्मचारी शामिल

थे।अभियान दोपहर 12 बजे नंगलिया गांव से शुरू हुआ और 2.30 बजे भिवाड़ी मॉड पर समाप्त हुआ। नंगलिया में विजिलेंस टीम के पहुंचते ही हड़कंप मच गया, जहां 150-200 किराए के कमरों में अवैध केबल से पंखे, कूलर और लाइटें चलाई जा रही थीं। भिवाड़ी बस स्टैंड के पास 100 किलोवाट के ट्रांसफॉर्मर से हरियाणा तक अवैध बिजली सप्लाई पकड़ी गई। लेबर कॉलोनी में भी कई अवैध कनेक्शन जब्त किए गए। एसई जेपी बैरवा ने बताया कि लंबे समय से बिजली चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। इसके लिए विशेष टीम गठित की गई थी, जिसने सभी मामलों में लोड आकलन कर विजिलेंस चेकिंग रिपोर्ट (वीसीआर) तैयार की। दोषियों पर जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे। यह अभियान बिजली चोरी की रोकथाम के लिए प्रशासन की सख्ती को दर्शाता है। स्थानीय लोगों ने इसे सराहा, लेकिन मांग की कि नियमित निगरानी और वैध कनेक्शन को बढ़ावा दिया जाए। बिजली चोरी से न केवल राजस्व हानि होती है, बल्कि बिजली आपूर्ति पर भी असर पड़ता है।

तिजारा में शहीद अग्निवीर संजीव सैनी की स्मृति में राजकीय प्राथमिक विद्यालय नंबर दो स्कूल का नामकरण ओर होगी मूर्ति स्थापना

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

1 जून 2025 को मात्र 23वर्ष की आयु में - जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए अग्निवीर संजीव सैनी की स्मृति में तिजारा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। महंत बाबा बालक नाथ, विधायक तिजारा के अथक प्रयास वा आदेश से से राज्य सरकार निवेशक शिक्षा विभाग के आदेश पर नगर परिषद एवं विकास समिति के नेतृत्व में सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सभा भवन में एक बैठक का आयोजन किया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय नंबर दो पार्क स्कूल का नामकरण शहीद अग्निवीर संजीव सैनी के नाम पर किया जाएगा और उनकी मूर्ति स्थापना की जाएगी। यह प्रस्ताव निर्देशक शिक्षा माध्यमिक विद्यालय के आदेश पर पारित किया गया। बाबा बालक नाथ ने शहीद हर संभव मदद का शहीद परिवार को आस्वासन दिया था उसी क्रम में आज प्रक्रिया को पूर्ण कर 15 अगस्त से पहले नामकरण और मूर्ति स्थापना की कोशिश की जा रही है। प्रस्ताव पारित होने पर राज्य सरकार के द्वारा प्रस्ताव भेजे जाने पर सैनी समाज और अन्य समाज ने खुशी व्यक्त की और बाबा बालक नाथ के प्रति आभार व्यक्त किया। शहीद अग्निवीर संजीव सैनी के पिता ने भी कृतज्ञता जाहिर की। इस मौके पर सभापति नगर परिषद तिजारा झब्बू राम सैनी, उपसभापति हरि संवरीया और सभी पार्षद गण उपस्थित रहे। प्रिंसिपल की अध्यक्षता में यह बैठक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सभा भवन में आयोजित की गई।बैठक में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तिजारा भी उपस्थित रहे तिजारा के गणमान्य नागरिक भी मौके पर कैप्टन सोना नारायण, सुल्तान सिंह पालीवाल, मनोज नम्बरदार, कमलेश सैनी, पूर्व चेयरमैन और विकास समिति के सदस्य नगर परिषद के पार्षद गण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह जानकारी के संयोजक पुरुषोत्तम सैनी एडवोकेट ने दी।

भिवाड़ी में नाले से युवक का शव बरामद, 3-4 दिन पुराना होने से पहचान में दिक्कत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी के यूआईटी थाना क्षेत्र में पारसनाथ मॉल के पास बुधवार को एक गंदे नाले से एक युवक का सड़ा-गला शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, शव करीब 3-4 दिन पुराना प्रतीत हो रहा है, जिसके कारण पहचान नहीं हो सकी है। यूआईटी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। थानाधिकारी सत्यनारायण ने बताया कि शव के पास कोई पहचान पत्र या अन्य सामान नहीं मिला, जिससे मृतक की शिनाख्त में मुश्किल हो रही है। पुलिस सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से शव की पहचान करने का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जांच में शव की स्थिति को देखते हुए मृत्यु के कारणों का पता लगाना मुश्किल है। पुलिस ने हत्या, आत्महत्या और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ जारी है। थानाधिकारी ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के सटीक कारणों का खुलासा हो सकेगा। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है। कुछ लोगों ने हत्या की आशंका जताई है, जबकि पुलिस सभी पहलुओं पर गौर कर रही है। भिवाड़ी में हाल ही में प्रदूषित नाले को लेकर भी विवाद सुर्खियों में था, और अब इस घटना ने प्रशासन के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई इस मामले में जानकारी रखता हो, तो वह तुरंत संपर्क करे।

खैरथल में गैस एजेंसी मैनेजर से सनसनीखेज लूट: आंखों में मिर्च डालकर 1.25 लाख रुपये छीने

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंडावर

खैरथल-तिजारा जिले के मुंडावर कस्बे में मंगलवार रात एक सनसनीखेज लूट की वारदात ने स्थानीय लोगों में दहशत फैला दी। गैस एजेंसी मैनेजर सुनील कुमार से बाइक सवार दो बदमाशों ने आंखों में मिर्च पाउडर डालकर 1.25 लाख रुपये लूट लिए। यह घटना रात करीब 9.30 बजे हरसोली रोड पर मोहन बाग के पास हुई, जब सुनील गोदाम से दिनभर की बिक्री की नकदी लेकर बाइक से घर लौट रहे

थे।पुलिस के अनुसार, सुनील जैसे ही हरसोली रोड से मोहन बाग की ओर मुड़े और करीब 300 मीटर चले, तभी दो बदमाशों ने उनकी बाइक को रोका। एक बदमाश ने सुनील की आंखों में मिर्च पाउडर झोंक दिया, जिससे उनकी आंखें जलने लगीं और वे बाइक से गिर पड़े। बदमाशों ने मौके का फायदा उठाकर उनके बैग में रखे 1.25 लाख रुपये, कैश बुक और डायरी लूटकर फरार हो गए। घायल सुनील ने किसी तरह मदद मांगी और मुंडावर थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी।मुंडावर थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की तलाश में छापेमारी कर रही है। सुनील ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोग प्रशासन से रात के समय गश्त बढ़ाने और ऐसी वारदातों पर अंकुश लगाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा किया है।

खैरथल में छात्राओं को सुरक्षा के टिप्स: कालिका पेट्रोलिंग टीम ने 112 और 1090 पर संपर्क की दी सलाह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

राजकीय महाविद्यालय खैरथल में राष्ट्रीय सेवा योजना और महिला नीति-उड़ान योजना के तत्वावधान में कालिका पुलिस पेट्रोलिंग यूनिट ने छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। महिला पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को आपात स्थिति में सतर्कता और आत्मरक्षा के टिप्स दिए।प्राचार्य डॉ. नीतू जेवरिया ने बताया कि क्षेत्र में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए कालिका पुलिस पेट्रोलिंग यूनिट नियमित

गश्त करती है। कार्यक्रम में यूनिट की सदस्य सुषमा और शर्मिला ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने आपात स्थिति में धैर्य बनाए रखने और तुरंत 112 या 1090 पर संपर्क करने की सलाह दी। इसके अलावा, असामाजिक तत्वों से दूरी रखने और संदिग्ध गतिविधियों से बचने की हिदायत दी। पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा के लिए सजग रहने और संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की।छात्राओं को बताया गया कि 112 आपातकालीन सेवा और 1090 महिला हेल्पलाइन उनकी सुरक्षा के लिए 24 घंटे उपलब्ध हैं। इस दौरान छात्राओं ने सक्रियता से सवाल पूछे और सुरक्षा उपायों को समझा। कार्यक्रम अधिकारी साक्षी जैन ने कालिका यूनिट का आभार जताया। कार्यक्रम में मनीषा, महिमा, रजनदीप, सपना कौर, शालू, अंजली, यश्मी, निकिता, पायल, पूनम सहित कई छात्राएं मौजूद रहीं। इस पहल को छात्राओं ने सराहा और इसे सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में प्रभावी बताया। स्थानीय लोग भी इस तरह के कार्यक्रमों को नियमित आयोजित करने की मांग कर रहे हैं ताकि युवतियां आत्मविश्वास के साथ अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

भिवाड़ी के प्रदूषित पानी से हरियाणा के किसानों में रोष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

राजस्थान के भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाला प्रदूषित पानी हरियाणा के खेतों में पहुंचकर किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहा है। नगर परिषद फायर स्टेशन के सामने वाले नाले का रसायनयुक्त पानी, जो टूटे हुए सीईटीपी (कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) से बह रहा है, हरियाणा के माहेश्वरी गांव के खेतों में फैल गया। इस समस्या से परेशान दो बहनों, पूजा और उनकी बहन, ने इसका कड़ा विरोध किया। पूजा ने बताया कि पिछले दो साल से यह प्रदूषित पानी उनकी फसलों को नष्ट कर रहा है, जिससे उनकी आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। भिवाड़ी प्रशासन ने नाले में डंपर से मिट्टी डालकर पानी रोकने की कोशिश की, लेकिन बारिश के कारण पानी ओवरफ्लो होकर खेतों में पहुंच गया। गुस्साई बहनों ने मिट्टी हटाने की कोशिश की, जिससे तनाव बढ़ गया। मौके पर पहुंची पुलिस और महिला पुलिसकर्मियों ने दो घंटे की समझाइश के बाद स्थिति को नियंत्रित किया। पूजा ने बताया कि पिछले साल भी प्रशासन ने मुआवजे का वादा किया था, लेकिन न तो मुआवजा मिला और न ही समस्या का समाधान हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पानी न केवल फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि जलभराव और बीमारियों का खतरा भी बढ़ा रहा है। हरियाणा प्रशासन ने भिवाड़ी-धारूहेड़ा सीमा पर रैंप बनाकर पानी रोकने की कोशिश की, जिससे नया विवाद शुरू हो गया। रेवाड़ी प्रशासन ने रैंप की सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात की है। भिवाड़ी प्रशासन का दावा है कि वे सीईटीपी तक पानी पहुंचाने के लिए पाइपलाइन पर काम कर रहे हैं, लेकिन देरी से किसान नाराज हैं। भिवाड़ी और रेवाड़ी प्रशासन के बीच कई बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन ठोस समाधान नहीं निकला। किसानों ने मुआवजे और स्थायी समाधान की मांग तेज कर दी है।

भिवाड़ी में बारिश के बाद यूआईटी कोर्ट परिसर में भरा प्रदूषित पानी, वकीलों का प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी में बुधवार सुबह हुई आधे घंटे की बारिश ने शहर की बदहाल व्यवस्था को उजागर कर दिया। गौरव पथ और यूआईटी कोर्ट परिसर में केमिकल युक्त काला पानी सड़कों और परिसर में भर गया, जिससे वकीलों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। वकीलों ने भिवाड़ी प्रशासन और भिवाड़ी इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट अथॉरिटी की लापरवाही के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। एडवोकेट सुभाष दायमा ने बताया कि प्रशासन प्रदूषित पानी को नियंत्रित करने के दावे करता है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही। बुधवार को नगर परिषद, बीड़ा और रीको के अधिकारियों ने नाले में डंपर से मिट्टी डालकर पानी रोकने की कोशिश की, मगर इससे कोर्ट परिसर में गंदा पानी भर गया। इससे वकीलों और परिवादियों को भारी परेशानी हुई। दायमा ने चेतावनी दी कि गंदे नालों में कोई गिरा तो जानलेवा खतरा हो सकता है। हाल ही में यूआईटी थाने के पास नाले में एक व्यक्ति का शव मिलना इस खतरे की गंभीरता को दर्शाता है। गौरव पथ पर बहते काले पानी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जो प्रशासन की नाकामी को उजागर कर रहे हैं। वकीलों ने मांग की कि उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषित पानी को ट्रीट कर पुनः उपयोग में लाया जाए, ताकि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य की रक्षा हो। उन्होंने कहा कि प्रशासन के खोखले वादों से लोग तंग आ चुके हैं। गौरतलब है कि 7 जुलाई को जिला कलेक्टर किशोर कुमार के निर्देश पर गठित संयुक्त टीम ने औद्योगिक अपशिष्ट जल छोड़ने वाले एक टैंकर को जब्त किया था, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं निकला।

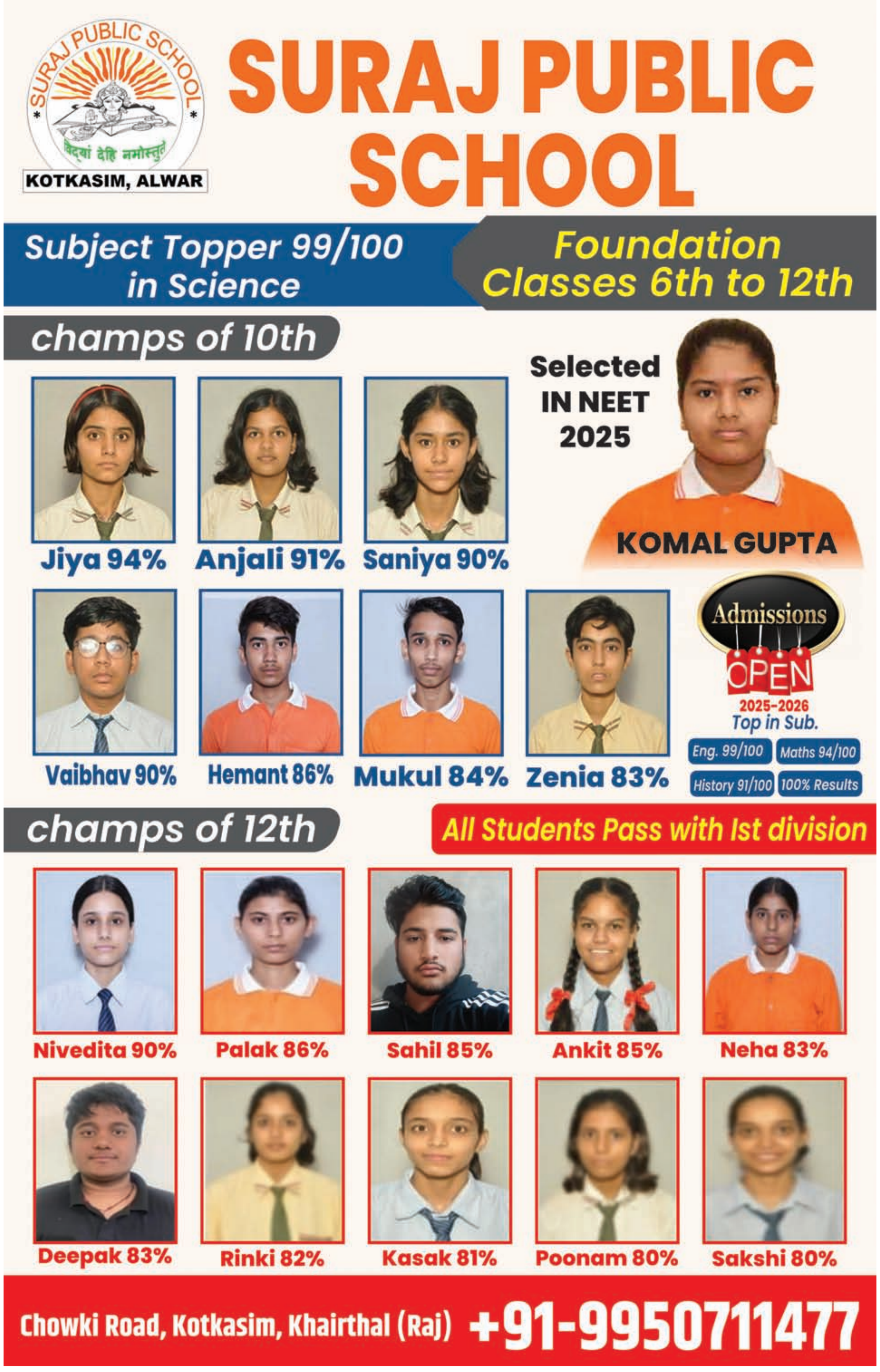

जिला स्तरीय जनसुनवाई अब 18 जुलाई को आयोजित होगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राज्य सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु संचालित जिला स्तरीय जनसुनवाई अब शुक्रवार, 18 जुलाई को आयोजित की जाएगी। यह जनसुनवाई जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में होगी। इस जनसुनवाई में आमजन अपनी विभिन्न समस्याओं, शिकायतों एवं परिवेदनाओं को सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रख सकेंगे। जनसुनवाई के दौरान उपस्थित परिवादियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्रों के अलावा राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज लम्बित प्रकरणों की भी समीक्षा की जाएगी। अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी मौके पर ही दिए जाएंगे, जिससे समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके। गौरतलब है कि सामान्य रूप से यह जनसुनवाई प्रत्येक गुरुवार को आयोजित की जाती है, लेकिन 17 जुलाई को राज्य एवं जिला स्तर पर सहकार एवं रोजगार उत्सव आयोजित होने के कारण इस सप्ताह की जनसुनवाई को एक दिन आगे बढ़ाकर शुक्रवार, 18 जुलाई को किया गया है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपनी समस्याएं उचित तथ्यों सहित जनसुनवाई में प्रस्तुत करें, ताकि उनका शीघ्र समाधान किया जा सके।

लक्ष्मणगढ़-कठूमर मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, चार गंभीर घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

लक्ष्मणगढ़-कठूमर मार्ग पर बुधवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसमें चार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना जावली के तिबारा और खुडियाना चौराहे के बीच हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक बाइक लक्ष्मणगढ़ से कठूमर की ओर जा रही थी, जबकि दूसरी बाइक कठूमर से लक्ष्मणगढ़ की ओर आ रही थी। बीच रास्ते में दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे दोनों बाइकों पर सवार लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में अकणा, संदीप, संगीत और अतरेश (निवासी शून्याणा धौलागढ़) तथा दूसरी बाइक पर सवार बने सिंह, जीतराम, प्रवीण और बने सिंह (निवासी धोघेरी, कठूमर) शामिल हैं। घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें अलवर रैफर कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। दुर्घटना के कारण मार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा। ग्रामीणों की सहायता से मार्ग को सुचारु किया गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के उपाय बढ़ाने और तेज गति से चलने वाले वाहनों पर सख्ती की मांग की है।

बघेरे ने भैंस पर किया हमला, ग्रामीणों में दहशत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

बानसूर क्षेत्र के रामपुर के समीप खारी का बास गांव में सोमवार देर रात एक बघेरे ने बाड़े में घुसकर एक किसान की भैंस पर हमला कर दिया। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। जानकारी के अनुसार, किसान सोनाराम के घर के पास स्थित बाड़े में रात के समय बघेरा घुस आया और वहां बंधी भैंस पर झपट पड़ा। भैंस के चिल्लाने की आवाज सुनकर पास ही सो रहे परिजन और ग्रामीण जाग गए। जैसे ही लोगों ने शोर मचाया और हलचल हुई, बघेरा मौके से भाग गया। किसान सोनाराम ने बताया कि बघेरे की मौजूदगी से पूरे क्षेत्र में डर का माहौल है। हमले के दौरान भैंस के शरीर पर कई घाव हो गए हैं। हालांकि समय रहते लोग जाग गए, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में सक्रिय बघेरे को पकड़ने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि वन्यजीवों की गतिविधियों पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया, तो भविष्य में जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। घटना के बाद से ही गांव के लोग रात्रि में सतर्कता के साथ जागकर पहरा दे रहे हैं।

दहमी पुलिया पर तेज रफ्तार ट्रेलर ने कंटेनर व टेंपो को मारी टक्कर, चालक फरार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे-48 पर बुधवार को दहमी पुलिया के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने एक कंटेनर और टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि टेंपो सड़क पर पलट गया और उसका अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर की रफ्तार काफी तेज थी और चालक नशे की हालत में था। हादसे के तुरंत बाद ट्रेलर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे राहगीरों और अन्य वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही बहरोड़ पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात को सामान्य कराया। टेंपो चालक योगेश यादव (39), निवासी सलारपुर, नीमराना ने बताया कि वह हरियाणा के अटेली से झाड़ू लेकर बहरोड़ की ओर जा रहा था। जैसे ही वह दहमी पुलिया पर पहुंचा, पीछे से तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसके टेंपो को टक्कर मार दी, जिससे उसका वाहन सड़क पर पलट गया। वहीं कंटेनर चालक प्रवेश कुमार (30), निवासी सहारनपुर, उत्तर प्रदेश ने बताया कि वह रुड़की से शीशे का माल लेकर जयपुर जा रहा था। ट्रेलर की टक्कर से उसका कंटेनर भी क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने अज्ञात ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ट्रेलर की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। हाईवे पर लगातार हो रहे ऐसे हादसों से वाहन चालकों और आम लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों और राहगीरों ने प्रशासन से तेज गति से चलने वाले भारी वाहनों पर सख्ती की मांग की है।

बीजवाड़ में सड़कों पर भरा गंदा पानी, हर दिन गिर रहे वाहन चालक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा शाहजहांपुर

बीजवाड़ गांव की सड़कों पर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लंबे समय से जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। गांव की गलियों और मुख्य रास्तों पर गंदा पानी जमा है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या वर्षों से बनी हुई है, लेकिन अब तक न तो पंचायत और न ही प्रशासन की ओर से कोई ठोस समाधान किया गया है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी रोजाना इसी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उनके फिसलने और बीमार पड़ने का खतरा लगातार बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़कों पर गड्ढे होने और गंदे पानी से ढंके होने के कारण दोपहिया वाहन चालक अक्सर गिरकर घायल हो रहे हैं। इस कारण कई लोग अब अपने वाहनों से निकलने से भी कतराने लगे हैं। जलभराव से मच्छरों और कीड़ों की संख्या भी बढ़ गई है, जिससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय निवासी संजय स्वामी, सीताराम स्वामी, टिंकू प्रजापत, राजेश धानका, नीरज स्वामी, मुकेश सैनी और अनिल सैनी सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार पंचायत, ब्लॉक और जिला प्रशासन को शिकायतें भेजी गई हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समाधान नहीं किया गया, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन की राह पकड़ सकते हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि गांव में तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कर सड़कों की मरम्मत की जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

जयपुर डेयरी अध्यक्ष ओमप्रकाश पूनियां ने कोटपूतली में की बैठक, दूध उत्पादकों से अमित शाह के स्वागत में शामिल होने का आह्वान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जयपुर डेयरी अध्यक्ष ओमप्रकाश पूनियां ने मंगलवार को कोटपूतली क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान वीर गुर्जर शहीद स्मारक पर जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के अनेक दुग्ध उत्पादक सदस्य व डेयरी प्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्य अतिथि पूनियां ने बैठक में उपस्थित किसानों व दुग्ध उत्पादकों से आह्वान किया कि वे देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के जयपुर आगमन पर आयोजित स्वागत समारोह में अधिक संख्या में शामिल हों। यह समारोह 18 जुलाई को जयपुर के ग्राम दादिया में आयोजित किया जाएगा। पूनियां ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र से जुड़े हर व्यक्ति को इस आयोजन में भाग लेकर सहकारिता आंदोलन को मजबूत करना चाहिए। इस मौके पर मौजूद सभी दुग्ध उत्पादकों व प्रतिनिधियों ने स्वागत समारोह में भाग लेने का संकल्प लिया। बैठक में जयपुर डेयरी डायरेक्टर कालूराम, रामनारायण शर्मा, डेयरी सचिव भैंरूलाल यादव, रोहिताश, महेंद्र सैनी, श्योराम जाट, शीशराम रावत, विक्रम रावत, वेदराम पटेल, रामनारायण यादव, बदलूराम बुढ़ानिया, अशोक रावत, किशोर यादव, फौजी सिंह शेखावत, राजेन्द्र कसाना सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जयपुर डेयरी की सामाजिक योजनाओं की भी जानकारी साझा की गई। विनोद कुमार शर्मा व पप्पूराम स्वामी ने बताया कि ओमप्रकाश पूनियां के नेतृत्व में 1 अप्रैल 2016 को सरस लाडो योजना की शुरूआत की गई थी, जिसके तहत बालिका की शादी के अवसर पर डेयरी की ओर से एक लाख रुपये की राशि कन्यादान स्वरूप प्रदान की जाती है। इसके साथ ही 1 अप्रैल 2025 से सरस लाडो मायरो योजना की भी शुरूआत की गई, जिसके तहत शादी के समय मायरे के रूप में 21 हजार रुपये की राशि भेंट की जाती है। अब तक जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ द्वारा 68 बालिकाओं को मायरा भरा जा चुका है, जिसे उपस्थित प्रतिनिधियों ने एक सराहनीय पहल बताया। बैठक में डेयरी के भविष्य के योजनात्मक विस्तार, किसानों के हितों, गुणवत्ता नियंत्रण व सहयोग पर भी विचार-विमर्श किया गया।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बुधवार को राजकीय सरदार जनाना अस्पताल के सभागार में ब्लॉक स्तरीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का नेतृत्व बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर ने किया। इस दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. जयभगवान यादव, एसटीएस सुरेश सैनी और एसटीएलएस रामरतन रावत ने प्रजेंटेशन के माध्यम से अभियान की कार्यप्रणाली और लक्ष्यों की विस्तार से जानकारी दी। प्रजेंटेशन में बताया गया कि निक्षय पोर्टल और एप पर हाईरिस्क ग्रुप की जनसंख्या का सर्वेक्षण कर उनकी निक्षय आईडी बनाई जानी है। इसके बाद सीबी-नॉट/ट्रूनॉट मशीन से बलगम की जांच करवाई जाएगी। जांच में टीबी पॉजिटिव पाए जाने पर मरीजों का इलाज समय पर शुरू किया जाएगा और निक्षय पोषण योजना के तहत पोषण किट उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही निक्षय मित्रों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया गया, जो मरीजों को मानसिक और पोषण संबंधी सहयोग प्रदान करते हैं। कार्यशाला में यह भी बताया गया कि निक्षय पोर्टल पर टेस्ट रिपोर्ट, बैंक डिटेल, ऑन ट्रिटमेंट स्थिति, कार्ड ग्रीन करना और जीओ टैगिंग जैसे कार्यों को समय पर पूरा किया जाना अनिवार्य है। समीक्षा के दौरान सैक्टर नारेहड़ा, गोनेड़ा, बनेठी, चिमनपुरा, सरदार जनाना अस्पताल और यूपीएचसी की स्क्रीनिंग असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बीपीओ विजय तिवाड़ी ने मौसमी बीमारियों की समीक्षा करते हुए मच्छरजनित रोगों की रोकथाम हेतु एंटी लार्वा गतिविधियां संचालित करने और बुखार के मरीजों की स्लाइड जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कांसली, जगदीशपुरा, फतेहपुरा कलां और सीएचसी नारेहड़ा के उपस्वास्थ्य केंद्रों की ब्लड स्लाइड रिपोर्ट संतोषजनक नहीं पाए जाने पर स्पष्टीकरण मांगा गया। इस मौके पर ब्लॉक स्तर से एसटीए ख्यालीराम यादव, बीएनओ प्रेम प्रकाश सैनी, चिकित्सा अधिकारी, सीएचओ, एलएचवी, एएनएम, एलटी, एलए, एआरजी और डाटा एंट्री ऑपरेटर मौजूद रहे। कार्यशाला के दौरान जिला क्वालिटी सेल सदस्य सुबेसिंह यादव ने कायाकल्प एवं एनक्वॉस के तहत गुणवत्ता एश्योरेंस कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन संस्थाओं ने अब तक कायाकल्प या एनक्वॉस का प्रथम असेसमेंट नहीं किया है, उन्हें जल्द ही स्पष्टीकरण देना होगा। साथ ही कायाकल्प द्वितीय असेसमेंट की चेकलिस्ट रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए।

अस्पताल गेट पर 15 दिन से जलभराव, मरीजों को हो रही भारी परेशानी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

बहरोड़ के जिला अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को बीते 15 दिनों से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल के मुख्य गेट के बाहर लगातार जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे रोजाना आने-जाने वालों को कीचड़ और गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। बारिश के बाद से जमा यह पानी अब बीमारी और संक्रमण का खतरा भी बढ़ा रहा है। गंभीर मरीजों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों को अस्पताल में प्रवेश करना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। स्ट्रेचर पर लाए जा रहे मरीजों को कीचड़ और जलभराव के बीच लाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या हर साल बरसात के मौसम में होती है, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। नालियों की समय पर सफाई नहीं होने से बारिश का पानी मुख्य मार्ग पर जमा हो जाता है। अस्पताल प्रभारी सुरेश यादव ने बताया कि नगर परिषद को कई बार लिखित रूप से जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने की शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यह समस्या केवल असुविधा नहीं, बल्कि गंभीर स्वास्थ्य संकट को भी जन्म दे रही है। वहीं पार्षद संजय मीर ने स्वीकार किया कि अस्पताल गेट के बाहर जलभराव की समस्या पुरानी है और नगर परिषद जल्द ही इस पर कार्रवाई करेगी। उन्होंने दावा किया कि एक स्थायी समाधान की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए गए हैं और शीघ्र ही जल निकासी व्यवस्था को सुधारने का काम शुरू किया जाएगा। फिलहाल मरीजों और उनके परिजनों को अस्पताल तक पहुंचने के लिए रोजाना गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर जल निकासी व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए और त्वरित कार्रवाई कर लोगों को राहत दी जाए।

बिजली चोरी के मामले में जुर्माना नहीं भरने पर दो आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

बिजली चोरी के मामलों में लापरवाही बरतने वालों पर अब सख्त कार्रवाई शुरू हो चुकी है। बुधवार को बिजली चोरी निरोधक पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जो जुर्माने की राशि तय समय पर जमा नहीं कर सके थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अशोक कुमार और लीलाराम के रूप में हुई है, दोनों बानसूर क्षेत्र के गांव शाहपुर के निवासी हैं। जानकारी के अनुसार, सतर्कता टीम ने 9 मार्च 2025 को गांव शाहपुर में छापेमारी के दौरान अशोक कुमार और लीलाराम को बिजली चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। उस समय दोनों के खिलाफ वीसीआर (विजिलेंस चेक रिपोर्ट) काटी गई थी और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर जुर्माना भरने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन दोनों आरोपियों ने जुर्माने की राशि जमा नहीं करवाई, जिसके बाद संबंधित थाने में मामला दर्ज किया गया। थानाधिकारी अतर सिंह ने बताया कि जांच के दौरान यह भी सामने आया कि अशोक कुमार पर पहले भी 5 फरवरी 2025 को बिजली चोरी का मामला दर्ज किया गया था, जिसमें उस पर 22,740 रुपए का जुर्माना लगाया गया था। वहीं लीलाराम पर 26 दिसंबर 2021 को वीसीआर दर्ज की गई थी

गोगुन्दा उपखंड अधिकारी की कार्रवाई का विरोध, शिक्षक संघ ने जिला कलक्टर को सौंपा ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने गोगुन्दा (उदयपुर) के उपखंड अधिकारी द्वारा शिक्षा विभाग के कार्यों में हस्तक्षेप एवं प्रधानाचार्य को अवैध नोटिस जारी करने के विरोध में बुधवार को जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा। संघ के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर सिंह व जिलाध्यक्ष जयदर्थ यादव के नेतृत्व में शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी से मुलाकात कर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। ज्ञापन में बताया गया कि उपखंड अधिकारी शुभम भैसरे ने विद्यालय निरीक्षण के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या सुधा शर्मा, राजमाता अबोक कला को सीसीए 17 के तहत आरोप पत्र थमा दिया। जबकि निरीक्षण के समय अध्यापक छात्र प्रवेश, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, टीसी जारी करने एवं 'हरियाला राजस्थान' अभियान से जुड़े कार्यों में संलग्न थे। संघ का कहना है कि इन कार्यों को लेकर शिक्षकों को प्रताड़ित करना न केवल अन्याय है, बल्कि इससे राज्य सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है। शिक्षक संघ ने मांग की है कि संबंधित आरोप पत्र को तुरंत निरस्त किया जाए, उपखंड अधिकारी से स्पष्टीकरण लिया जाए एवं उनके खिलाफ जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी मांग रखी गई कि शिक्षकों को गैर-शैक्षिक कार्यों से मुक्त किया जाए, जिससे वे विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पूरी तरह से ध्यान दे सकें। इस अवसर पर कोटपूतली ब्लॉक अध्यक्ष हजारीलाल गुर्जर, बहरोड़ ब्लॉक अध्यक्ष रामभरोस, नीमराना ब्लॉक सभा अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, बहरोड़ सभा अध्यक्ष बुद्ध सिंह, पूर्व महामंत्री मनोज कुमार, महावीर प्रसाद यादव, राजेन्द्र प्रसाद यादव, बाबूलाल आर्य, हरिराम मीणा और प्रकाश गुर्जर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि प्रशासनिक दबाव में शिक्षकों को अनावश्यक रूप से परेशान करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो राज्यव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी।

एलबीएस कॉलेज में गुरु वंदन कार्यक्रम आयोजित, गुरु की महत्ता पर हुआ सारगर्भित संवाद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में बुधवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान उच्च शिक्षा की स्थानीय इकाई द्वारा गरिमामय 'गुरु वंदन कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती माता, भारत माता एवं गुरु वेदव्यास की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पण के साथ हुई। प्राचार्य एवं जिलाध्यक्ष ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन कर कार्यक्रम को औपचारिक रूप से प्रारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित महावीर प्रसाद कुमावत, पूर्व स्थानीय संकाय सदस्य एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख ने गुरु की महत्ता पर गहन विचार व्यक्त किए। उन्होंने अपने संबोधन में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के रूप में निरूपित करते हुए बताया कि गुरु ब्रह्मा की भांति शिष्य के गुणों का सृजन करता है, विष्णु की तरह उनका पालन कर उन्हें विकसित करता है, तथा महेश के रूप में शिष्य के भीतर की बुराइयों का नाश करता है। कुमावत ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम शिक्षक से गुरु की ओर अग्रसर हों – हमारे भीतर गुरुत्व का भाव उत्पन्न हो, जिससे शिष्य केवल विषय ज्ञान तक सीमित न रहें बल्कि उनके सर्वांगीण विकास में भी सहयोग मिले। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि समाज यदि गुरुओं का सम्मान करेगा, तभी संस्कृति और सभ्यता का संरक्षण संभव है। भारतीय परंपरा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा भारत की विशेष पहचान है और इसी निरंतरता के कारण भारत की सांस्कृतिक विरासत आज भी जीवंत है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रभात शर्मा ने किया एवं समापन पर जिला सचिव अशोक सिंह ने सभी अतिथियों एवं सहभागी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे और कार्यक्रम को एक प्रेरणादायक अध्यात्मिक अनुभव बनाया।

बहरोड़ में तैयार हुआ कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय छात्रावास, जल्द शुरू होंगी सुविधाएं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बहरोड़ में ब्लॉक स्तरीय कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय छात्रावास का निर्माण कार्य लगभग पूर्णता की ओर है। यह आधुनिक छात्रावास राजकीय महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, हमीदपुर के परिसर में बनाया गया है, जहां ग्रामीण और दूरदराज की छात्राओं को ठहरने और पढ़ाई का सुरक्षित वातावरण मिलेगा। छात्रावास का निर्माण नाबार्ड योजना के अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान (समसा) द्वारा करवाया गया है। कुल 4 करोड़ 41 हजार रुपये की लागत वाले इस भवन में अब तक 4 करोड़ 18 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं। शेष बजट से बिजली कनेक्शन, आवश्यक फर्नीचर, बेड, टेबल, कुर्सियां और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। सीबीईओ रामकला यादव ने बताया कि छात्रावास में 100 बालिकाओं के रहने की व्यवस्था की गई है। भवन में कुल 25 कमरे, एक गार्ड रूम, दो वार्डन रूम, एक डाइनिंग हॉल, एक रसोईघर, एक पुस्तकालय, एक आईटी रूम और एक गेस्ट रूम बनाया गया है। साथ ही बालिकाओं के लिए सात शौचालय-स्नानघर की भी व्यवस्था की गई है। छात्रावास की सुरक्षा और सुंदरता को ध्यान में रखते हुए चारदीवारी, ओपन टेरेस, फेंसिंग और बागवानी का कार्य भी किया गया है। यह आवासीय परिसर न केवल ठहरने की सुविधा देगा, बल्कि बालिकाओं को शैक्षिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध वातावरण भी प्रदान करेगा। सीबीईओ ने जानकारी दी कि छात्रावास के शुरू होते ही पात्र छात्राओं के चयन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और आगामी शैक्षणिक सत्र में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की बालिकाएं यहां रहकर शिक्षा प्राप्त कर सकेंगी। यह पहल उन छात्राओं के लिए बड़ी राहत साबित होगी जो अब तक लंबी दूरी तय कर पढ़ाई करने को विवश थीं। स्थानीय ग्रामीणों व अभिभावकों ने भी इस कदम की सराहना करते हुए इसे बेटियों की शिक्षा के लिए एक मजबूत आधार बताया है।

हीरो चौक पर नकाबपोश बदमाशों ने युवक से मारपीट कर बाइक और मोबाइल लूटी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराना

नीमराना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। रविवार देर रात हाईवे पर स्थित हीरो चौक के पास नकाबपोश बदमाशों ने एक युवक को निशाना बनाते हुए उससे मारपीट कर बाइक और मोबाइल फोन लूट लिया। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। थाना पुलिस के अनुसार दोसोद निवासी विजेंद्र सिंह पुत्र जयसिंह ने शिकायत दी है कि 14 जुलाई की रात करीब 12 बजे वह अपनी बाइक से हीरो चौक के पास से गुजर रहा था, तभी पीछे से आए तीन नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने उसे घेर लिया। विजेंद्र के अनुसार बदमाशों ने पहले उसकी बाइक को रुकवाया और फिर गले पर चाकू लगाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद तीनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और उसकी बाइक व मोबाइल फोन छीनकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नीमराना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित के बयान लेकर मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि बदमाशों की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। विजेंद्र ने बताया कि वारदात के दौरान सड़क पर आवाजाही कम थी, जिससे बदमाशों को वारदात को अंजाम देने में आसानी रही। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इलाके में रात्रि गश्त बढ़ाने और पुलिस की सक्रियता सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि नीमराना औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण हाईवे पर लगातार वाहन आते-जाते हैं, लेकिन रात्रिकालीन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। इससे आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि हाईवे और प्रमुख चौराहों पर पुलिस चौकी स्थापित की जाए और रात के समय गश्त बढ़ाई जाए, ताकि आमजन सुरक्षित महसूस कर सकें।

चूरू में बिजली के स्मार्ट मीटर का विरोध, कांग्रेस ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चूरू

चूरू में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आपणी योजना स्थित जिला कलेक्ट्रेट में स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को ज्ञापन सौंपा। पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया ने कहा कि बिजली निगम पारंपरिक मीटरों की जगह स्मार्ट मीटर लगा रहा है। इन मीटरों से उपभोक्ताओं को पहले से ज्यादा बिल आ रहे हैं। बिजली की खपत में कोई खास बदलाव नहीं है। स्मार्ट मीटर में तकनीकी खामियां भी सामने आ रही हैं। कई जगह ये बार-बार बंद हो जाते हैं। नेटवर्क की समस्या से गलत रीडिंग दे रहे हैं। पूर्व सभापति पायल सैनी ने बताया कि कई घरों में बिना अनुमति स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। कुछ नागरिकों ने रेडिएशन की आशंका भी जताई है। कांग्रेस की मांग है कि स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया तुरंत रोकी जाए। पहले से लगे मीटरों की निष्पक्ष जांच हो। पारंपरिक मीटर विकल्प के रूप में जारी रहें। प्रदर्शन में रियाजत खान, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर दांदू, जमील खान, मो. हुसैन निर्बाण, पूर्व उप जिला प्रमुख सोहनलाल मेघवाल, जिला परिषद सदस्य कमला गोदारा समेत कई कांग्रेस नेता मौजूद थे। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि अगर मांगें नहीं मानी गईं तो जन आंदोलन किया जाएगा।

हत्या के मामले में हिस्ट्रीशीटर समेत 4 गिरफ्तार, अपहरण कर की थी हत्या

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हनुमानगढ़

हनुमानगढ़ की पीलीबंगा पुलिस ने एक युवक की हत्या के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी पीलीबंगा थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं। प्रेमपुरा निवासी राकेश डेलू का 10 जुलाई को अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई। मृतक के रिश्तेदार महावीर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस पर पुलिस ने विशेष टीम बनाकर कार्रवाई की। पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपक उर्फ दीपकिया सहारण (44), रामकुमार मीणा (41), रामकुमार सहारण (30) और महेश मेघवाल (35) को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। वहां से पुलिस को उनका रिमांड मिला है। थाना प्रभारी कैलाश चंद्र के अनुसार मुख्य आरोपी दीपक के खिलाफ पहले से मारपीट और हत्या के प्रयास जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। इस कार्रवाई में एसआई मुकेश, कॉन्स्टेबल रमेश कुमार, अमनदीप सिंह और मनीष की टीम शामिल थी।

युवक का अपहरण करने के 4 आरोपी गिरफ्तार, नाकाबंदी कर बोलेरो समेत पकड़ा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बूंदी

अलवर के विजय मंदिर थाना क्षेत्र से हुए अपहरण मामले में बूंदी पुलिस ने सफलता हासिल की है। तालेड़ा थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान बोलेरो में सवार अपहरण के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। बूंदी के जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा के अनुसार, थानाधिकारी अजीत बगडोलिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। अपहरण की सूचना मिलते ही जिले के सभी थानों को नाकाबंदी के निर्देश दिए गए थे। मामला 14 जुलाई 2025 का है, जब बालाडेहरा निवासी हंसराज पुत्र शेरसिंह का अलवर से अपहरण किया गया था। इस संबंध में विजय मंदिर थाने में मुकदमा नंबर 135/2025 दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ उनकी बोलेरो को भी जब्त कर लिया है। सभी आरोपियों को विजय मंदिर थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

इनामी आरोपी और नशा सप्लायर गिरफ्तार, दोनों टॉप-10 में शामिल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाड़मेर

बाड़मेर जिले की ग्रामीण पुलिस ने ऑपरेशन धरकर भर अभियान के तहत दो अलग-अलग मामलों में फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी अशोक कुमार 10 हजार रुपए का इनामी है। वहीं दोनों आरोपी थाने के टॉप-10 आरोपियों में शामिल है। पुलिस दोनों सप्लायर से मादक-पदार्थ की खरीद-फरोख्त को लेकर पूछताछ कर रही है। आरोपी मगाराम कोतवाली थाने का वांटेड है। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया- बाड़मेर सदर थाना पुलिस ने 12 जनवरी 2025 को एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 715 ग्राम अफीम जब्त की थी। एमडी सप्लायर अशोक कुमार पुत्र नारायणराम निवासी राणासर कल्ला धोरीमन्ना फरार चल रहा था। पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी। लेकिन पुलिस पकड़ नहीं पाई। आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया। आरोपी को थाने के टॉप-10 आरोपियों की सूची में शामिल किया गया। ग्रामीण थाने के विक्रम चारण मय पुलिस टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए निगरानी रखी गई। सूचना व तकनीकी आधार पर बाड़मेर शहर में आने की सूचना मिली। टीम ने शिवकर रोड से डिटेन किया गया। पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ सदर थाने में दो एनडीपीएस के मामले दर्ज हैं। कार्रवाई में कॉन्स्टेबल भंवराराम की अहम् भूमिका रही है। ग्रामीण थानाधिकारी विक्रम चारण मय पुलिस टीम ने कोतवाली थाने में 10 जुलाई 2025 को एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। इस मामले में मादक पदार्थ सप्लायर आरोपी विक्की उर्फ मगाराम पुत्र चनणाराम निवासी आटी बाड़मेर ग्रामीण फरार चल रहा था।

शुध्द आहार-मिलावट पर वार अभियानः 500 किलो दूषित मिठाई नष्ट, कई खाद्य पदार्थों के लिए लिए गए नमूने

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

आमजन को शुद्ध व सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत मंगलवार रात से बुधवार सुबह तक जिले में सघन जांच अभियान चलाया गया। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की मौजूदगी में खाद्य सुरक्षा दल व पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। कार्यवाही की शुरुआत मनिया क्षेत्र के रांडोली स्थित श्री रामहरि डेयरी से हुई। यहां मावा, इलायची दाना, स्कीम मिल्क पाउडर एवं घी के चार नमूने लिए गए। मौके पर ही 30 किलोग्राम मावा को दूषित पाए जाने पर नष्ट किया गया, जबकि 20 किलो घी व 10 किलो स्कीम मिल्क पाउडर को सीज किया गया। दूसरी कार्यवाही राजाखेड़ा क्षेत्र में श्यामू का घेर स्थित दो मिल्क फूड प्रोडक्ट्स इकाइयों पर की गई। यहां नमन मिल्क फूड प्रोडक्ट से करीब 500 किलो दूषित बर्फी जब्त कर मौके पर ही नष्ट करवाई गई। इसके अतिरिक्त स्कीम मिल्क पाउडर और रिफाइंड तेल के नमूने जांच के लिए लिए गए। वहीं, मां रहना वाली मिल्क फूड प्रोडक्ट्स से वनस्पति और स्कीम्ड मिल्क पाउडर के सैंपल लिए गए, जिन्हें लैब में जांच के लिए भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार ने बताया कि सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद संबंधित संस्थानों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 व विनियम 2011 के तहत कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि निरीक्षण, नमूनीकरण, जब्ती व नष्टीकरण जैसी कार्यवाहियां आगे भी इसी तरह सतत रूप से की जाएंगी ताकि आमजन को मिलावटरहित खाद्य सामग्री मिल सके और मिलावटखोरों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। इस दौरान जिला प्रशासन की मुस्तैदी और तत्काल एक्शन से क्षेत्र के खाद्य व्यापारियों में हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान स्थानीय पुलिस बल की सहायता से कार्यवाही को शांतिपूर्ण और सटीक ढंग से अंजाम दिया गया।

धौलपुर में वीर लोकेंद्र सिंह राणा मेमोरियल बैडमिंटन प्रतियोगिता शुरू

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

वीर लोकेंद्र सिंह राणा की स्मृति में आयोजित जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ मंगलवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन निहालगंज थाना प्रभारी प्रवेंद्र रावत ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए उन्हें खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित होने की शुभकामनाएं दीं। प्रवेंद्र रावत ने कहा कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने और युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे अनुशासन और समर्पण के साथ खेल को अपनाएं। वरिष्ठ खिलाड़ी दिग्वेंद्र सिंह राणा ने बताया कि प्रतियोगिता छह दिन तक चलेगी और इसमें विभिन्न वर्गों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि हर वर्ष यह आयोजन वीर लोकेंद्र सिंह राणा की स्मृति में किया जाता है ताकि युवाओं को खेल के क्षेत्र में अवसर मिल सके और वे अपनी प्रतिभा को निखार सकें। पूर्व शारीरिक शिक्षक जेके शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता का परिणाम चाहे जो हो, असली जीत खेल भावना की होती है। उन्होंने युवाओं को खेल को जीवन का अहम हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी अशोक कुमार ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से जिले के युवाओं को एक मंच मिलता है, जिससे वे आगे बढ़ सकें जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मोहम्मद जाकिर हुसैन ने बताया कि प्रतियोगिता में 6 दर्जन से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें मिनी सब-जूनियर, सब-जूनियर व जूनियर वर्ग के प्रतिभागी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से दिवंगत खिलाड़ी वीर लोकेंद्र सिंह राणा को श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। समारोह में मंचासीन अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कोच नाजिश ख़ान, फारूक वेग, जिला फुटबॉल संघ के सचिव संदीप राणा, एडवोकेट रंजीत दिवाकर सहित खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

राजाखेड़ा में ओवरलोड वाहनों का आतंक, हादसों को दे रहे खुला निमंत्रण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

जिले के राजाखेड़ा क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों की बेलगाम रफ्तार और अनियंत्रित आवाजाही के चलते आमजन का सड़क पर सुरक्षित निकलना मुश्किल होता जा रहा है। आगरा और धौलपुर के बीच गुजरने वाले इन भारी वाहनों में गिट्टी, डस्ट और ईंटें इस कदर लदी होती हैं कि उनकी चपेट में कभी भी कोई बड़ा हादसा घट सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रैक्टरों में 5 हजार से लेकर 7 हजार तक ईंटें भरी जाती हैं, जिन्हें ऊपर तक रस्सियों से कसकर बांधा जाता है। इतना अधिक भार होने के कारण कई बार ट्रैक्टर के आगे के दोनों पहिए हवा में उठे रहते हैं, जिससे ये वाहन संतुलन खो बैठते हैं और दुर्घटनाएं होना तय लगती हैं। तेज रफ्तार और लापरवाही का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हाल ही में गिट्टी खाली कर लौट रहे एक ट्रक ने आगे चल रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी, जिससे बाइक पर सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना न केवल दर्दनाक थी, बल्कि इस बात का उदाहरण भी है कि किस तरह ये ओवरलोड वाहन खुलेआम सड़कों पर खतरे का पर्याय बने हुए हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन केवल मोटरसाइकिल चालकों की चेकिंग कर खानापूर्ति कर रहा है, जबकि ओवरलोड ट्रैक्टरों और भारी वाहनों की कोई जांच नहीं होती। ना तो इन वाहनों के लाइसेंस, बीमा या रजिस्ट्रेशन की पड़ताल की जाती है, और ना ही चालक की योग्यता की कोई पुष्टि की जाती है। स्थिति यह है कि प्रतिदिन सैकड़ों ओवरलोड ट्रैक्टर बिना किसी रोकटोक के सड़कों पर दौड़ते नजर आते हैं, जिससे पैदल चलने वाले और दोपहिया वाहन चालक खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। अब यह सवाल उठता है कि क्या जिला प्रशासन, परिवहन विभाग और पुलिस मिलकर इन ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कोई ठोस और प्रभावी कार्यवाही करेंगे? या फिर आमजन इसी डर और असुरक्षा में अपनी जान जोखिम में डालकर सड़क पर चलते रहेंगे? स्थानीय निवासियों की मांग है कि तत्काल प्रभाव से ओवरलोडिंग पर रोक लगाई जाए और दोषी चालकों एवं मालिकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में होने वाले हादसों को टाला जा सके।

हिट एंड रन, विशेष प्री-लिटिगेशन एवं राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला निगरानी समिति की बैठक आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से एडीआर परिसर में मंगलवार को हिट एंड रन मामलों, विशेष प्री-लिटिगेशन लोक अदालत व आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सचिव रेखा यादव ने की। सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट पिटीशन नंबर 295/2012 के निर्देशों की पालना में यह बैठक आयोजित की गई, जिसमें हिट एंड रन दुर्घटनाओं में पीड़ितों व मृतकों के परिजनों को शीघ्र मुआवजा दिलाने पर चर्चा हुई। इसके साथ ही 26 जुलाई को प्रस्तावित विशेष प्री-लिटिगेशन लोक अदालत तथा 13 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की रूपरेखा पर विस्तार से विचार किया गया। सचिव रेखा यादव ने बैठक में बताया कि हिट एंड रन मामलों में पुलिस थानों द्वारा समय पर दस्तावेज जैसे एफआईआर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य जरूरी दस्तावेज दावा जांच अधिकारियों को भेजे जाने चाहिए ताकि पीड़ितों को समय पर राहत मिल सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी थानों में दावा जांच अधिकारियों के नाम व सम्पर्क सूत्र नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किए जाएं ताकि आमजन को सूचना प्राप्त करने में आसानी हो। बैठक में यह भी समीक्षा की गई कि जिले के विभिन्न पुलिस थानों में गत वर्षों में दर्ज हिट एंड रन के मामलों में कितने प्रकरणों में मुआवजे के लिए आवेदन भेजे गए हैं और कितने अब तक लंबित हैं। सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि मामलों का त्वरित निस्तारण हो और प्रक्रियाएं अनावश्यक रूप से लंबित न रहें। बैठक में तहसील स्तर पर राजस्व मामलों के अधिकाधिक निस्तारण के प्रयासों पर भी जोर दिया गया, ताकि विशेष लोक अदालतों में आमजन को त्वरित न्याय मिल सके। इसके लिए संबंधित तहसीलदारों से आवश्यक सहयोग की अपेक्षा जताई गई। इस दौरान तहसीलदार धौलपुर अल्का श्रीवास्तव, तहसीलदार मनियां देवेंद्र तिवारी, तहसीलदार राजाखेड़ा दीप्ति, तहसीलदार सैपऊ नेहा सिंह, तहसीलदार बाड़ी उत्तम बंसल, तहसीलदार बसेड़ी बृजेश कुमार सिंह व तहसीलदार बसईनबाब मनोज भारद्वाज भी बैठक में उपस्थित रहे। सभी ने अपने-अपने क्षेत्र की प्रगति एवं स्थिति की जानकारी दी तथा आगामी लोक अदालतों की तैयारी के संबंध में सुझाव भी साझा किए।

सो रहे युवक पर लाठी-डंडों से हमला, 3 आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हनुमानगढ़

हनुमानगढ़ में पल्लू थाना पुलिस ने एक युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पल्लू थाना प्रभारी एसआई सुशील कुमार के अनुसार, घटना 4 जून की रात की है। पीड़ित के भाई पवन कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसका भाई बृजलाल खेत में बनी ढाणी में सो रहा था। रात करीब 1.30 बजे केशराराम, मघाराम और दीपक वहां पहुंचे। तीनों ने बृजलाल पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। आरोपियों ने बृजलाल को इतना पीटा कि वे उसे मृत समझकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों में केसराराम (23), मघाराम (31) और दीपचंद्र उर्फ दीपक (27) शामिल हैं। तीनों शेखचूलिया के रहने वाले हैं। थाना प्रभारी सुशील कुमार, कांस्टेबल रामहरि और जगदीश की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच जारी है।

सीकर में 9 साल की बच्ची की हार्टअटैक से मौत, चौथी क्लास में पढ़ती थी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

सीकर जिले में 9 साल की बच्ची की कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। बच्ची दांतारामगढ़ के उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में पढ़ती थी। इंटरवल में टिफिन खोलते समय वह जमीन पर गिर गई। स्कूल स्टाफ ने उसे संभाला और दांतारामगढ़ सीएचसी ले गए। यहां प्राथमिक इलाज के बाद बच्ची नॉर्मल हो गई। इसके बाद डॉक्टर ने उसे सीकर रेफर कर दिया। रास्ते में उसकी मौत हो गई। बच्ची को कुछ दिनों से सर्दी-जुकाम था। स्कूल के प्रिंसिपल नंदकिशोर ने बताया- बच्ची प्राची कुमावत (9) पुत्री पप्पू कुमार निवासी भोमियाजी की ढाणी चौथी क्लास में पढ़ती थी। मंगलवार को सुबह 11 बजे स्कूल में इंटरवल हुआ था। सभी बच्चे क्लास में खाना खा रहे थे। प्राची भी अपना टिफिन खोल रही थी। तभी अचानक जमीन गिर गई और उसका खाना बिखर गया। क्लास के दूसरे बच्चों की सूचना पर टीचर क्लास में पहुंचे और बच्ची को संभाला। टीचर उसे सरकारी अस्पताल ले गए। इलाज के कुछ समय बाद बच्ची नॉर्मल हो गई थी। सीकर ले जाते समय उसकी मौत हो गई। दांतारामगढ़ सीएचसी के प्रभारी डॉ.आर के जांगिड़ ने बताया- बच्ची को बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। उसे कार्डियक अरेस्ट आया था। प्राथमिक इलाज के बाद उसे सीकर रेफर किया गया। रास्ते में उसकी मौत हो गई।

उदयपुर में कांग्रेस का प्रदर्शन, थानाधिकारी को हटाने की मांग, कलेक्ट्रेट के गेट पर चढ़कर नारेबाजी की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

राजस्थान के उदयपुर जिले में बुधवार को कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया. सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नेता जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और वल्लभनगर थानाधिकारी दिनेश पाटीदार के खिलाफ नारेबाजी की. यह मामला सोमवार को वल्लभनगर के शीतला माता मंदिर में हुई चोरी की घटना से जुड़ा है. उस दिन मंदिर परिसर में चोरी के विरोध में स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया था. इसी दौरान वल्लभनगर की पूर्व विधायक प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत भी वहां पहुंची थीं. पूर्व विधायक शक्तावत ने आरोप लगाया था कि मौके पर मौजूद स॥ह दिनेश पाटीदार ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और अभद्र भाषा का प्रयोग किया. इस घटना से नाराज कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और स॥ह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. कांग्रेस पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द से जल्द स॥ह पर कार्रवाई नहीं की गई, तो पार्टी बड़ा और उग्र आंदोलन करेगी. उनका कहना है कि एक पूर्व विधायक के साथ इस तरह का व्यवहार निंदनीय है और पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है. प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत ने कहा, 'थानाधिकारी ने मेरे साथ न केवल बदतमीजी की, बल्कि जोर से धक्का भी दिया, जिससे मेरे सिर का पल्लू तक खिंच गया. इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत मैंने उदयपुर एसपी योगेश गोयल से फोन पर भी की है और डीएसपी राजेन्द्र को लिखित में शिकायत दी है.' थानाधिकारी दिनेश पाटीदार ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा, 'मैंने किसी के साथ कोई बदतमीजी नहीं की.

अब चीन नहीं, अमेरिका बन रहा दुनिया की नजरों में खलनायक! ट्रंप के आने के बाद बिगड़ रही छवि

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा वॉशिंगटन

दुनिया भर के कई देशों में चीन और उसके नेता शी जिनपिंग के प्रति दृष्टिकोण में सुधार हो रहा है, जबकि अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति दृष्टिकोण में गिरावट आई है। प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा लगभग दो दर्जन देशों में किए गए एक नए सर्वेक्षण में ये खुलासा हुआ है। मंगलवार को जारी इस सर्वेक्षण से पता चला कि दोनों महाशक्तियों और उनके नेताओं के प्रति अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण में 2020 की तुलना में लगातार अंतर कम हो रहा है। जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान उनके और चीनी राष्ट्रपति के प्रति वैश्विक दृष्टिकोण में काफी अंतर था, लेकिन अब ट्रंप के सत्ता में आने और खासकर टैरिफ मुद्दे को लेकर अमेरिका की छवि वैश्विक स्तर पर लगातार खराब हो रही है।

अमेरिका पर कई देशों का भरोसा कम हुआ

प्यू रिसर्च ने 24 देशों में किए अपने सर्वेक्षण में पाया कि आठ देशों का दृष्टिकोण, अमेरिका के प्रति अच्छा था। वहीं सात देशों की नजर में चीन ज्यादा बेहतर सहयोगी देश रहा। दो देशों ने दोनों देशों को बराबर रखा। हालांकि सर्वेक्षण में ये नहीं बताया गया है कि वैश्विक दृष्टिकोण में बदलाव की वजह क्या है। रिसर्च की एसोसिएट डायरेक्टर लॉरा सिल्वर ने कहा कि अमेरिका को अब दुनियाभर के देश कम भरोसेमंद सहयोगी देश मानने लगे हैं और दुनिया के देशों का अमेरिका में विश्वास भी कम हुआ है। चीन की सरकार मानवाधिकार संबंधी नीतियों को लेकर और महामारी से निपटने के तरीकों को लेकर वैश्विक स्तर पर निशाने पर रही।

उच्च आय वाले देशों में भी अमेरिका को लेकर नाराजगी बढ़ी

उच्च आय वाले पश्चिमी देश जो हाल फिलहाल तक अमेरिका के करीबी थे, वहां भी चीन की स्वीकार्यता बढ़ी है और अब अमीर देशों के 32 प्रतिशत लोग चीन को लेकर सकारात्मक सोचते हैं। यह पिछले साल आंकड़ा 23 प्रतिशत था। इझाइल के लोग अभी भी अमेरिका को लेकर सकारात्मक हैं और 83 प्रतिशत इझाइली अमेरिका को पसंद करते हैं। वहीं चीन के प्रति सकारात्मक सोच रखने वाले लोग भी 33 प्रतिशत हैं। इनमें 69 प्रतिशत लोग ट्रंप को पसंद करते हैं, जबकि सिर्फ 9 प्रतिशत लोग ही शी जिनपिंग को अच्छा मानते हैं। प्यू ने 8 जनवरी से 26 अप्रैल तक 25 देशों के 30,000 से अधिक लोगों का सर्वेक्षण किया। प्रत्येक देश के लिए गलती का मार्जिन प्लस या माइनस 2.5 से प्लस या माइनस 4.7 तक था।

डेमोक्रेट भी मानते हैं ट्रंप, अमेरिका की वैश्विक छवि बिगाड़ रहे

अमेरिका में डेमोक्रेटिक सीनेटर्स के एक समूह ने भी इस हफ्ते ट्रंप प्रशासन पर आरोप लगाया कि विदेशी सहायता कार्यक्रमों को बंद करके, सहयोगी देशों पर टैरिफ लगाकर, विदेशी छात्रों पर वीजा प्रतिबंध लगाकर और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों पर नकेल कसकर ट्रंप प्रशासन अमेरिका के वैश्विक प्रभाव को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। अब प्यू रिसर्च के सर्वेक्षण में भी इसकी पुष्टि हुई है। प्यू रिसर्च के सर्वेक्षण में पता चला है कि 10 उच्च आय वाले देशों- कनाडा, फ्रांस, जर्मनी और इटली आदि के 35 प्रतिशत लोग अमेरिका के प्रति सकारात्मक राय रखते हैं, जबकि यह आंकड़ा पिछले साल 51 प्रतिशत था।

पटना एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा, दिल्ली से आ रहे विमान का रनवे ओवरशूट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पटना

पटना एयरपोर्ट पर बड़ा विमान हादसा टल गया। दिल्ली से आ रहे विमान को रनवे ओवरशूट का सामना करना पड़ा। हालांकि, पायलट ने सूझबूझ से विमान को अनियंत्रित होने से बचा लिया। उन्होंने फौरन गो-अराउंड प्रक्रिया अपनाई और विमान को फिर से सफलतापूर्वक लैंड करवा लिया। इस मामले में ने पटना एयरपोर्ट के छोटे रनवे को लेकर फिर सवाल खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात नौ बजे दिल्ली से आ रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई 2482 ने लैंडिंग के दौरान रनवे के निर्धारित टचडाउन जोन को पार कर दिया। विमान के मुख्य लैंडिंग गियर रनवे को छुआ। विमान तय स्थान से आगे निकल चुका था। इसके बाद पायलट ने आकलन किया तो पता चला कि इतने कम रनवे में लैंडिंग संभव नहीं। इसके बाद पायलट ने फिर से विमान को आसमान में उठा लिया। कुछ देर चक्कर काटने के बाद फिर से लैंडिंग करवा ली। इस बार लैंडिंग में कोई परेशानी नहीं हुई। जानकारों के अनुसार, विमान रनवे के अंत से पहले रुकने में सफल नहीं हो पाता है और रनवे के अंत से ज्यादा आगे निकल जाता है। यानी विमान रनवे की निर्धारित सीमा से बाहर चला जाता है। ऐसा तब होता है जब कोई विमान रनवे पर उतरने के बाद, उसे रोकने के लिए आवश्यक ब्रेक लगाने या थ्रस्ट रिवर्सल का उपयोग करने में सफल नहीं हो पाता है। पटना एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए उड़ान भरते ही फ्लाइट से चिड़िया टकरा गई। विमान के एक इंजन में वाइब्रेशन होने लगा। तत्काल रिपोर्ट हुई और 175 यात्रियों को ले जा रहे विमान को वापस पटना में ही सुरक्षित लैंड करा लिया गया। बताया गया था कि इंडियो की फ्लाइट सुबह के साढ़े नौ बजे दिल्ली के उड़ी थी। चंद मिनट बाद ही एक पक्षी विमान से टकरा गया। इससे विमान में खराबी आ गई। पायलट ने सूझबूझ से काम लिया और फौरन एटीसी को सूचना दी। इसके बाद पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। सुबह दस बजे विमान को सुरक्षित पटना एयरपोर्ट पर लैंड करवाया लिया गया।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम के ट्रंप के दावे पर कांग्रेस का हमला, कहा- पीएम को संसद में देना होगा जवाब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस ने एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के दावे को लेकर केंद्र पर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि मानसून सत्र में लोकसभा और राज्यसभा में पीएम मोदी को इस मुद्दे पर जवाब देना होगा। कांग्रेस पिछले कई दिनों से इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेर रही है। ट्रंप के नए पोस्ट को साझा करते हुए कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि आज स्कोर 66 दिन, 23 पुनरावृत्तियों का है। ट्रंप के संघर्ष विराम के दावे को लेकर उन्होंने कहा कि संसद 21 जुलाई से फिर से शुरू होगी। इससे पहले स्थिति निश्चित रूप से बदल जाएगी। लेकिन प्रधानमंत्री को लोकसभा और राज्यसभा में स्पष्ट रूप से जवाब देना होगा। देश जानना चाहता है। ट्रंप ने कहा कि हमने इंडोनेशिया के साथ समझौता किया है। मैंने उनके राष्ट्रपति से बात की और हमने समझौता कर लिया। हमें इंडोनेशिया तक हर चीज तक पूरी पहुंच है। इंडोनेशिया तांबे के मामले में बहुत मजबूत है, लेकिन हमें हर चीज तक पूरी पहुंच है। हम कोई शुल्क नहीं देंगे। वे हमें इंडोनेशिया में प्रवेश दे रहे हैं, जो हमें पहले कभी नहीं मिला। शायद यही इस समझौते का सबसे बड़ा हिस्सा है। ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ भी बातचीत उसी दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 'भारत भी वैसा ही कर रहा है। अब हमें भारत तक भी पूरी पहुंच मिल रही है। पहले हमें इन देशों में ऐसी पहुंच नहीं थी। अब हमारी टैरिफ नीति के कारण हम यह हासिल कर रहे हैं।' 10 मई के बाद से ट्रंप ने कई बार अपना दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को कम करने में मदद की है और उन्होंने परमाणु हथियार संपन्न दक्षिण एशियाई पड़ोसियों से कहा है कि यदि वे संघर्ष बंद कर दें तो अमेरिका उनके साथ खूब व्यापार करेगा। पहलगाम आतंकी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। इसके जवाब में भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। भारत ने पाकिस्तान और पीओजेके में आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इसके बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हो गया। दोनों देशों ने 10 मई को संघर्ष विराम करने का फैसला किया।

पाकिस्तान के पंजाब में मूसलाधार बारिश का कहर, पिछले 24 घंटे में नौ की मौत, 90 से ज्यादा घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लाहौर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में तेज बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। बात अगर पिछले 24 घंटे की करें तो भारी बारिश के कारण कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। वहीं 90 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट की माने तो पंजाब प्रांत के बहावलनगर में तीन बच्चों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हुए। ओकारा में दो किशोर, जिनमें एक लड़की भी शामिल है, की मौत हुई और 12 लोग घायल हुए। लाहौर में भी बारिश के कारण तीन मौतें हुई और आठ लोग घायल हुए। भक्कर जिले में एक व्यक्ति की मौत और तीन लोग घायल हुए। इसके अलावा, कई अन्य जिलों में भी बारिश के चलते जबरदस्त तबाही मची है। इनमें पाकपटन में तीन, सहिवाल में चार, फैसलाबाद और मुजफ्फरगढ़ में दो-दो, टोबा टेक सिंह में चार, कसूर में तीन, डेरा गाजी खान में दो, राजनपुर, सियालकोट और मियांवाली में एक-एक घायल होने की खबर है। हालांकि बारिश के कारण लाहौर में तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहाना हो गया। बारिश का रिकॉर्ड भी मिला है, जिसमें लक्ष्मी चौक पर 31 मिमी, करतबा चौक पर 19 मिमी, और समनाबाद, फरूखाबाद, इकबाल टाउन जैसे इलाकों में 10 से 18.5 मिमी तक बारिश हुई। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लगातार हो रही बारिश के चलते कई जगहों पर पानी भर गया है। इसके बाद पानी निकासी के लिए जल और स्वच्छता प्राधिकरण की टीमों ने पूरे दिन सड़कों और अंडरपास से पानी निकालने का काम किया। वहीं, लाहौर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (एईएससीओ) के कई फीडर ट्रिप हो गए जिससे बिजली कटौती भी हुई। वहीं लाहौर के उप कमिश्नर सैयद मूसा रजा के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने मानसून की चुनौतियों से निपटने के लिए एक रणनीति बनाई है। मशीनरी से लैस टीमें कम निचले इलाकों और मुख्य सड़कों से पानी निकालने में जुटी हैं। इसके साथ ही प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और बिजली के खंभों और तारों से दूर रहें।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए कानून लाया जाए, पीएम मोदी को खरगे-राहुल का पत्र

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सरकार से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का आग्रह किया। उन्होंने लिखा, 'हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए विधेयक लाए। इसके अलावा हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए भी विधेयक लाए।' उन्होंने पत्र में लिखा, 'माननीय प्रधानमंत्री जी, पिछले पांच वर्षों से जम्मू-कश्मीर के लोग पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कर रहे हैं। यह मांग जायज होने के साथ-साथ उनका संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार भी है। यह समझना जरूरी है कि जहां अतीत में केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य का दर्जा दिए जाने के उदाहरण रहे हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर का मामला आजाद भारत में कुछ अलग ही रहा है। यह पहली बार है, जब किसी पूर्ण राज्य को उसके विभाजन के बाद केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा बदल दिया गया है।' पत्र में आगे लिखा गया, 'आपने स्वयं कई मौकों पर राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में दिए अपने साक्षात्कार में आपने कहा था कि राज्य का दर्जा बहाल करना हमारा वादा है। हम इस पर कायम हैं। 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए आपने फिर से दोहराया था कि हमने संसद में कहा है कि हम इस क्षेत्र का राज्य का दर्जा बहाल करेंगे। इसके अलावा केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के सामने भी इसी तरह का आश्वासन दिया, जिसमें कहा गया कि राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाएगा। राहुल और खरगे ने पत्र में लिखा, 'हम सरकार से अपील करते हैं कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए एक विधेयक पेश करे। इसके अलावा हम सरकार से मांग करते हैं कि वह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए एक विधेयक भी लाए। यह लद्दाख के लोगों की सांस्कृतिक, विकासात्मक और राजनीतिक आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इसके साथ ही यह उनके अधिकारों, भूमि और पहचान की रक्षा भी करेगा।'

श्री हरिमंदिर साहिब को उड़ाने की धमकी: लगातार तीसरे दिन आया ईमेल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अमृतसर

अमृतसर के श्री हरिमंदिर साहिब को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल आया है। लगातार तीसरे दिन ऐसी धमकी आई है। यह ईमेल एसजीपीसी के प्रबंधकों को भेजा गया है। जिसके बाद श्री हरिमंदिर साहिब परिसर और उसके आसपास पुलिस की ओर से सुरक्षा को पहले से और ज्यादा बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही अर्धसैनिक बल भी तैनात कर दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक एसजीपीसी को बुधवार को फिर से एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें लिखा हुआ था कि आसपास की पाइपों में आरडीएक्स भर दिया गया है और इसी के साथ धमाके किए जाएंगे। वहीं पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह ने कहा कि सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। साइबर सेल की ओर से ईमेल की जांच की जा रही है। जल्द ही इन शरारती तत्वों को दबोच लिया जाएगा। श्री हरिमंदिर साहिब को आने जाने वाले हर एक रास्ते पर सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है और लोगों पर नजर रखी जा रही है। इसके अलावा संदिग्ध लोगों के सामान आदि की भी जांच की जा रही है। धमकी के बाद श्री हरिमंदिर साहिब के आसपास पंजाब पुलिस के साथ-साथ बीएसएफ को भी तैनात किया गया। वहीं इसके अलावा पूरे इलाके में डॉग और बम स्क्वायड भी तैनात कर दिए गए हैं। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि ईमेल को ट्रेस करने की कोशिश की जा रही है। उनकी साइबर टीम इस काम में जुटी हुई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा पहरा कड़ा कर दिया है। किसी भी सूरत में घबराने की जरूरत नहीं है।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई सेः आठ विधेयकों को पेश करने की तैयारी में केंद्र सरकार, जोरदार हंगामे के आसार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस मानसून सत्र में सरकार आठ नए विधेयक पेश करेगी। इनमें मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से जुड़ा विधेयक भी शामिल है। सरकार मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने पर विचार कर रही है। इससे साफ है कि सरकार की इस उत्तर पूर्वी राज्य में फिलहाल राष्ट्रपति शासन हटाने की कोई योजना नहीं है। मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। राष्ट्रपति शासन के लिए सरकार को हर छह महीने में संसद की मंजूरी लेनी होती है। फिलहाल राज्य में राष्ट्रपति शासन की समयसीमा 13 अगस्त है। संसद के आगामी सत्र में सरकार मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025, भारतीय संस्थान प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2025, कराधान विधि (संशोधन) विधेयक 2025, भू-विरासत स्थल एवं भू-अवशेष (संरक्षण एवं रखरखाव) विधेयक 2025, खान एवं खान (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक 2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक 2025 को लोकसभा में पेश और पारित करा सकती है। साथ ही गोवा राज्य के विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक 2024, मर्चेंट शिपिंग विधेयक 2024, भारतीय बंदरगाह विधेयक 2025 और आयकर विधेयक 2025 को भी लोकसभा में पारित किए जाने की उम्मीद है। बता दें कि बीते अप्रैल माह में खत्म हुए संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा की उत्पादकता लगभग 18 फीसदी रही थी।

पुनीत गोयल बने मणिपुर के नए मुख्य सचिव, सुरक्षा बलों ने 100 विस्थापितों को गांव लौटने से रोका

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा इंफाल

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में शांति कायम करने की कवायद तेज हो गई हैं। राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा है। केंद्र ने कानून व्यवस्था बेहतर करने और शांति कायम रखने के लिए वरिष्ठ आईएएस पुनीत गोयल को मणिपुर का नया मुख्य सचिव बनाया है। वहीं यहां सुरक्षा बलों ने भी अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सुरक्षा बलों ने बुधवार को आंतरिक रूप से विस्थापित करीब 100 लोगों को इंफाल पूर्वी जिले के दोलाईथाबी में अपने गांवों में लौटने से रोक दिया। एजीएमयूटी कैडर के 1991 बैच के अधिकारी पुनीत गोयल मौजूदा मुख्य सचिव प्रशांत कुमार सिंह की जगह लेंगे। प्रशांत सिंह को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का सचिव नियुक्त किया गया है। 15 जुलाई की अधिसूचना में कहा गया है, कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने पुनीत कुमार गोयल की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति अवधि में कटौती करते हुए एजीएमयूटी से मणिपुर कैडर में अंतर-कैडर प्रतिनियुक्ति के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह अवधि 31 अगस्त 2025 तक यानी उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक रहेगी। सुरक्षा बलों ने विस्थापित करीब 100 लोगों को अपने गांवों की ओर लौटने से रोक दिया। अफसरों ने बताया कि शांति बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। पूर्वी इंफाल जिले में साजिवा के निकट राहत शिविर में रह रहे आईडीपी अपने पैतृक गांवों में लौटने के लिए दोइलेथाबी की ओर बढ़ रहे थे। उनको दोलाईथाबी से लगभग 2.5 किमी दूर पुखाओ तेजपुर के पास रोक दिया गया। पुलिस ने कहा कि पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं और सीआरपीएफ की महिला कर्मियों की एक कंपनी भी तैनात की गई है। जिला प्रशासन और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इस मुद्दे का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के लिए स्थानीय नेताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि निरंतर स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कानून एवं व्यवस्था की स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। डोलाईथाबी संवेदनशील सीमांत क्षेत्र में है।

छात्रा की मौत के बाद बवाल

पुलिस ने किया लाठीचार्ज, हिरासत में लिए गए कई कार्यकर्ता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भुवनेश्वर/बालासोर

बालासोर में यौन उत्पीड़न से परेशान होकर आत्मदाह करने वाली छात्रा की मौत के बाद ओडिशा में बवाल मचा हुआ है। छात्रा की मौत के विरोध में राज्य में जगह-जगह सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। बुधवार को राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बीजद ने बालासोर बंद का आह्वान करते हुए जमकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए लाठीचार्ज व पानी की बौछार की और आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान कई बीजद कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया गया। वहीं पुलिस के साथ हुई झड़प में दो पूर्व मंत्रियों सहित बीजद के कई कार्यकर्ता और नेता घायल हो गए। बालासोर स्थित फकीर मोहन स्वायत्तशासी महाविद्यालय में प्रोफेसर के यौन उत्पीड़न से क्षुब्ध होकर आत्मदाह करने वाली छात्रा का सोमवार देर रात को निधन हो गया था। छात्रा की मौत के बाद बीजू जनता दल ने सड़क पर उतरकर ओडिशा सरकार के विरोध में बालासोर बंद का आह्वान किया। बीजद कार्यकर्ताओं ने बालासोर में सड़कों पर टायर जलाए। भुवनेश्वर में बीजद कार्यकर्ता जब राज्य सचिवालय लोक सेवा भवन की ओर मार्च लेकर जा रहे थे तो लोअर पीएमजी स्क्वायर के पास बैरिकेड लगे देख उनका आक्रोश बढ़ गया। कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड तोड़ दिया और पुलिस कर्मियों के साथ उनकी झड़प हो गई। पुलिस ने कहा कि बीजद कार्यकर्ताओं को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें आंदोलन स्थल से ले जाया गया। घायल लोगों में पूर्व मंत्री प्रणब प्रकाश दास और प्रीति रंजन घराई भी शामिल हैं। पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि घराई को पहले यहां कैपिटल अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्हें भुवनेश्वर के उत्कल अस्पताल के आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि दास को एक निजी अस्पताल ले जाया गया। बीजद के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए भुवनेश्वर में लोक सेवा भवन में सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा